प्रसारित - आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, हाथरस, कासगंज, एटा, मैनपुरी, बुलंदशहर, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर | गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

साप्ताहिक
मोर्निंग सिटी
सच के साथ...

वर्ष - 11, अंक - 20, 26 जुलाई से 01 अगस्त , 2026 | मूल्य- 10 रुपये | पृष्ठ 8 | WWW :morningcity.in

यूपी का सर्वश्रेष्ठ न्यूज प्लेटफॉर्म
मोर्निंग सिटी

जो शिक्षा और शिक्षा नीति संस्कारों का विस्तार न कर सके, वह व्यर्थः डॉ. हिमांशु

वाराणसी

अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र वाराणसी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति विषय पर व्याख्यान

अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र द्वारा शब्दन फाउंडेशन के सहयोग से भारतीय ज्ञान परम्परा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति विषय पर शनिवार को व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में हरिभूमि एवं आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी शामिल हुए। अपने व्याख्यान में डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने कहा कि शिक्षा में किए जा रहे नए नीतिगत बदलावों का मुख्य उद्देश्य मनुष्य को संवेदनशील बनाना है।

उन्होंने कहा कि जो शिक्षा और शिक्षा नीति संस्कारों का विस्तार न कर सके, वह व्यर्थ है। डॉ. द्विवेदी ने पौराणिक एवं धार्मिक कथाओं के समृद्ध स्वरूप के माध्यम से अपने तर्कों को प्रस्तुत करते हुए व्याख्यान को सार्थक बनाया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शिवेंद्र राणा ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन अश्विनी सिंह ने किया।

संस्कारों के बिना शिक्षा अधूरी है

इस दौरान मुख्य वक्ता के रूप में बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह एवं प्रो. गुरुप्रसाद सिंह, पशुपालन विभाग, बीएचयू उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. प्रेम नारायण सिंह, निदेशक, अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र, वाराणसी ने की। स्वागत वक्तव्य एवं विषय प्रवेश पर बोलते हुए प्रो. गुरुप्रसाद सिंह ने शिक्षा के सहकार का अर्थ बताते हुए कहा कि जिस शिक्षा की अवधारणा को हम आत्मसात करना चाहते हैं, वह संस्कारों के बिना अधूरी है।

सभी को समान शिक्षा मिले

मुख्य वक्ता बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह ने शिक्षा की प्रशासनिक एवं आर्थिक स्वायत्तता की बात कही। साथ ही उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि परिसर में सभी को समान शिक्षा मिले। उन्होंने आजादी के बाद से वर्तमान तक की शिक्षा नीतियों की समीक्षा प्रस्तुत करते हुए उनकी विवेचना की।

अकबर के बाद मोदी सरकार के 12 साल के कार्यकाल में है यह दूसरा इस्तीफा

प्रधान का इस्तीफा, सरकार के लिए झटका यह उस पीढ़ी की जीत, जिसे कहा गया कॉकरोच

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

जेन-जी के आंदोलन और विपक्ष के दबाव से आना पड़ा बैकफुट पर

नीट पेपर लीक पर मचे बवाल और देशभर में चल रहे आंदोलन के बाद आखिरकार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। प्रधान का इस्तीफा उस पीढ़ी की जीत है, जिसे काकरोच यानी 'तिलचट्टा' कहा गया। मोदी सरकार किसान आंदोलन से नहीं झुकी, सीएए-एनआरसी के विरोध से नहीं डिगी, कोविड मैनेजमेंट की आलोचना से नहीं हिली, उसी सरकार को जेन-जी ने बैकफुट पर आने को मजबूर कर दिया।

प्रधान का इस्तीफा मोदी सरकार के 12 साल के कार्यकाल में दूसरा इस्तीफा है। पहला 2018 में एमजे अकबर का था, जिन्होंने #मीटू आंदोलन के बीच इस्तीफा दिया था।

प्रधान का जाना सिर्फ एक मंत्री का जाना नहीं है। यह बीजेपी के लिए 2014 के बाद का अब तक का सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है। यह उस पार्टी के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ है जिसने एक दशक तक विपक्ष, किसानों और संस्थाओं को झुकते देखा था।

जमीनी मूड को नहीं पढ़ पाई

बीजेपी की सबसे बड़ी ताकत जमीनी मूड को पढ़ने और उसी के हिसाब से नैरेटिव को कंट्रोल करने की क्षमता थी। लेकिन इस बार पार्टी ने अपना यह सबसे बड़ा एज खो दिया। नीट पेपर लीक के विरोध को शुरू में एक 'ऑनलाइन मजाक' समझा गया, लेकिन यह 'मजाक' सीजेपी में बदल गया, जिसे दुनिया भर ने 'जेन-जी आंदोलन' करार दिया। जब सोनम वांगचुक का अनशन चल रहा था, तब तक कोई सुर्खी नहीं बन पाई थी। लेकिन जैसे ही सरकार ने उन्हें सफेद चादर में लपेटकर अस्पताल पहुंचाया, वो वीडियो इंस्टाग्राम से एक्स तक वायरल हो गया। एक ऐसी पीढ़ी ने उन्हें चुनौती दी, जिसे 'सिख अलगाववादी', 'मुस्लिम आतंकवादी' या 'पाकिस्तानी घुसपैठिया' नहीं कहा जा सकता था। वो उनकी अपनी हिंदू, मिडिल-क्लास और पढ़ी-लिखी संतानें थीं।

पार्टी के भीतर का 'भूचाल'

यह इस्तीफा सिर्फ बाहरी दबाव नहीं था, बल्कि बीजेपी के भीतर के सियासी भूचाल को भी दिखाता है। प्रधान सिर्फ एक मंत्री नहीं, बल्कि ओडिशा में बीजेपी के 20 सांसदों के 'नेता' थे। जब उन पर इस्तीफे का दबाव बढ़ा, तो उन्होंने 22 जुलाई को इन 20 सांसदों के साथ एक फोटो पोस्ट करके स्पष्ट संकेत दिया। 'मुझे हटाने की कोशिश करो और देखो क्या होता है।' यह इस्तीफा दिखाता है कि बीजेपी के अंदरूनी गलियारों में भी दरार आ गई है।

विपक्ष को मिली बड़ी जीत'

बीजेपी 12 सालों से विपक्ष को 'नाकाम' करने में माहिर रही है। किसान आंदोलन से लेकर सीएए तक, कांग्रेस कभी भी बीजेपी को पीछे हटाने में कामयाब नहीं हुई। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। राहुल गांधी ने 21 जुलाई को पीएम आवास के बाहर धरना दिया। पुलिस का उन्हें उठाकर ले जाने वाले कारनामे ने सियासी मैसेज दे दिया। सीजेपी की मांगों के साथ विपक्ष का यह तालमेल बीजेपी के लिए मुश्किल बना। अगर प्रधान को हटाया जाता, तो इसका पूरा श्रेय राहुल गांधी और सीजेपी को जाता। इस वजह बीजेपी ने पूरी कोशिश की कि प्रधान न हटे, लेकिन आखिरकार ऐसा ही हुआ. यह मोदी सरकार के खिलाफ राहुल गांधी की पहली बड़ी राजनीतिक जीत है।

12 साल की छवि का पूरा ढांचा ढह गया

बीजेपी ने 12 सालों में एक सख्त छवि बनाई थी कि कोई भी सड़क पर उतरकर मंत्री का इस्तीफा नहीं निकाल सकता। 2020 का किसान आंदोलन हो, सीएए का विरोध हो, या 2021 का कोविड प्रबंधन, सरकार कभी नहीं झुकी। बीजेपी का स्टैंड था कि 'हमारे मंत्रियों को इस्तीफा नहीं देना पड़ता।' लेकिन 26 जुलाई को वो स्टैंड ढह गया। यानी जिस सरकार ने 'मजबूत' और 'अडिग' होने का नारा दिया, उसे जेन-जी के सामने झुकना पड़ा।

नीट पेपर लीक : शनिवार को भी देशभर में प्रदर्शन

सीवान में पथराव से एसपी घायल यूपी-एमपी, राजस्थान में भी हंगामा

एजेंसी ▸▸| पटना

नीट पेपर लीक मामले और लाठीचार्ज के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन देशभर में शनिवार को भी प्रदर्शन किया। बिहार में बंद के दौरान पटना और सीवान सहित 8 जिलों में छात्रों ने पुलिस पर पथराव किया। सीवान में भीड़ को हटाने के लिए पुलिस ने पहले आंसू गैस के गोले दागे गए। 10 राउंड से ज्यादा सीधी फायरिंग हुई है।

प्रदर्शनकारी की पत्थर से सीवान एसपी पूरन झा के हाथ में चोट लगी है। करीब 6 जिलों में पत्थर चले हैं। इधर, छपरा में छात्रों ने उग्र प्रदर्शन करते हुए सरकारी बिल्डिंग में चढ़कर पोस्टर फाड़े। पुलिस बैरिकेडिंग लेकर भागते नजर आए। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज, लखनऊ और सहारनपुर समेत कई शहरों में प्रदर्शन हुए। प्रयागराज में 10 हजार लोगों ने भारी बारिश का बावजूद सड़कों पर प्रदर्शन किया।

इस्तीफे के बाद जश्न भी

शनिवार को मध्यप्रदेश के 20 शहरों में प्रदर्शन हुए। इंदौर में प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद खुशी मनाते हुए मिठाई बांटी और धरना खत्म करने का ऐलान कर दिया। प्रयागराज में भी छात्र जश्न मना रहे हैं। जयपुर, राजस्थान में शहीद स्मारक पर बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स जुटे हैं। इस्तीफे की जानकारी के बाद बड़ी संख्या में छात्र नाच-गाकर खुशियां मनाईं। पंजाब के जालंधर में बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स डीसी ऑफिस घेरने पहुंचे। उनका कहना है प्रधान का इस्तीफा स्वीकार होना चाहिए।

योगी बोले- NEET के दोषियों की संपत्तियां भी होंगी जब्त, संसद में पेपर लीक पर आएगा बिल

फतेहपुर

फतेहपुर जिले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मदारीपुर कला स्थित मैदान में विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। उन्होंने 2027 विधानसभा चुनाव का राजनीतिक संदेश देते हुए विकास को भाजपा की सबसे बड़ी ताकत बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले फतेहपुर आकांक्षी जिलों में गिना जाता था। रोजगार, स्वास्थ्य और विकास के पैमानों पर जिला पिछड़ा हुआ था, लेकिन पिछले नौ वर्षों में तस्वीर बदली है और अब फतेहपुर आकांक्षी जिला नहीं रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले युवाओं की नौकरियों पर डकैती डाली जाती थी, जबकि आज पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया से युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जा रहे हैं। उन्होंने मेडिकल कॉलेज, पुल, सड़क, बिजली, निवेश, अस्पताल और कंपोजिट विद्यालय जैसी परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार ने विकास को गांव-गांव तक पहुंचाया है।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले विकास कुछ क्षेत्रों तक सीमित था और किसानों, युवाओं व आम जनता की उपेक्षा की जाती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और सपा के शासन में युवाओं का शोषण हुआ और नकल माफिया को संरक्षण मिला। कहा कि छात्र-छात्राओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। नीट परीक्षा में गड़बड़ी के आरोपियों पर कार्रवाई का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि दोषियों की संपत्तियां भी जब्त की जाएंगी। वहीं, पेपर लीक पर संसद में बिल भी आएगा। कानून-व्यवस्था पर मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि माफिया और अपराधियों के लिए उत्तर प्रदेश में अब कोई जगह नहीं है।

ऐसे लोगों के लिए सिर्फ जेल या जहन्नुम का रास्ता बचा है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में माफिया पर प्रभावी लगाम लगी है। साथ ही आरोप लगाया कि सपा नेताओं ने सरकारी जमीनों पर कब्जे किए, जिन्हें अब हटाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि डिजिटल इंडिया और राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने देश के युवाओं को नई पहचान और सम्मान दिलाया है। उन्होंने कहा कि यदि फतेहपुर सदर विधानसभा की जनता भाजपा को और मजबूत जनादेश देगी तो जिले का विकास कई गुना गति से आगे बढ़ेगा।

मुड़िया पूर्णिमा मेलाः गिरिराजजी की परिक्रमा के लिए उमड़ा सैलाब

मथुरा

ब्रज के हृदयस्थल गिरिराज धाम में आयोजित विश्व प्रसिद्ध मुड़िया मेले के दौरान श्रद्धा, भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। गिरिराज महाराज की सप्तकोसीय परिक्रमा के लिए देश के विभिन्न राज्यों और विदेशों से भी भारी संख्या में श्रद्धालु गोवर्धन पहुंच रहे हैं। गिरिराज महाराज की जय और राधे-राधे के जयघोष से पूरा धाम भक्तिमय वातावरण में सराबोर है। परिक्रमा मार्ग पर इस समय कदम-कदम पर श्रद्धालुओं की अटूट आस्था और भगवान श्रीकृष्ण के प्रति समर्पण का रंग दिखाई दे रहा है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन और भीड़ प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने नगर में वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। यह व्यवस्था 30 जुलाई को मेला खत्म होने तक प्रभावी

रहेगी। इस अवधि में सभी छोटे और बड़े वाहन निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से ही संचालित किए जाएंगे। प्रशासन ने लोगों से रूट डायवर्जन का पालन करने और यात्रा से पहले निर्धारित मार्गों की जानकारी करने की अपील की है। मेले के मद्देनजर पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। उधर परिक्रमा मार्ग, प्रमुख चौराहों, पार्किंग स्थलों, मंदिरों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। ड्रोन कैमरों, सीसीटीवी कैमरों, कंट्रोल रूम और सुरक्षा कर्मियों के माध्यम से चप्पे-चप्पे पर निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अप्रिय घटना को रोका जा सके। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, चिकित्सा, सफाई, प्रकाश व्यवस्था और यातायात नियंत्रण के विशेष इंतजाम किए गए हैं। स्वयंसेवी संस्थाएं और प्रशासनिक टीमें भी लगातार श्रद्धालुओं की सहायता में जुटी हुई हैं। धार्मिक मान्यता है कि श्रद्धा और विश्वास के साथ गिरिराज महाराज की परिक्रमा करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और आराध्य गिरिराज प्रभु का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है। यही कारण है कि हर वर्ष मुड़िया मेले में आस्था का यह महासागर गोवर्धन धाम की ओर उमड़ पड़ता है। मुड़िया पूर्णिमा मेले में देवशयनी एकादशी के अवसर पर गिरिराज तलहटी में भक्तों का उमड़ना शुरू हो गया है। भक्त दानघाटी मंदिर और राधाकुंड चौराहे पर नमन कर सप्तकोसीय परिक्रमा शुरू कर रहे हैं।

सम्पादकीय

मंजिल नहीं, सफर को समझने की जरूरत

जीवन एक ऐसा संग्राम है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को अपने हिस्से का संघर्ष करना पड़ता है। किसी के संघर्ष बाहरी दुनिया में होते हैं और किसी के अपनी भीतरी दुनिया में। दूसरे के दर्द और संघर्ष हमें दिखाई नहीं देते। हम उनके केवल परिणाम ही देख सकते हैं। इसीलिए अपना संघर्ष कभी न खत्म होने वाली नाउम्मीदी जैसा लगता है, लेकिन दूसरे का नहीं। कोई भी परिणाम में एक लंबी यात्रा और द्वंद्व का आखिरी पड़ाव होता है। वह एकदम घटित नहीं होता। उसके पीछे कठिन मेहनत, इच्छाशक्ति और कुछ करने की दृढ़ता छिपी रहती है। जब हम सफलताओं के पीछे के वास्तविक संघर्ष से वाकिफ नहीं होते, तब सफलताएं किसी लंबी यात्रा का आखिरी सिरा नहीं लगकर चमत्कार सरीखी लगती हैं। आजकल के उपभोक्तावादी युग में, जब परिणामों को विज्ञापनों के माध्यम से भुनाना होता है, तो उन्हें उनके संदर्भों से काटकर प्रस्तुत किया जाता है। इससे वे वास्तविकता से अलग होकर थोड़े-से समय में हासिल की गई उपलब्धि लगने लगते हैं। वे रोमांचित करते हैं और थोड़ी-सी कोशिश से ही कुछ भी संभव करने का भ्रम पैदा करते हैं। जीवन में मेहनत के बिना कहीं कोई परिणाम नहीं होते। यहां चमत्कार एक लंबी प्रक्रिया में आकार लेते हैं। अपने सोचे हुए को हासिल कर लेना, उसे घटित होते हुए देखना ही दुनिया में सबसे बड़ा चमत्कार है। ऐसे चमत्कारों तक पहुंचने में लंबा वक्त, अथक मेहनत और संघर्ष लगता है। इन चमत्कारों को घटित करने के लिए जरूरी है कि मनुष्य कोशिश करता रहे। उसे कोशिश कभी नहीं छोड़नी चाहिए। उस वक्त भी नहीं, जब उसे लगे कि अब झुक जाना चाहिए, क्योंकि झुकना भी उसे कुछ हाथ नहीं आता। जीवन के अंत तक अफसोस रखने से अच्छा है कि हम अंत तक प्रयास करें। प्रयास करते रहने से मनुष्य अपने सोचे हुए से भी अधिक परिणाम प्राप्त कर सकता है, शर्त बस यही है कि वह कोशिशों के बीच अपने अहं को न लाए।

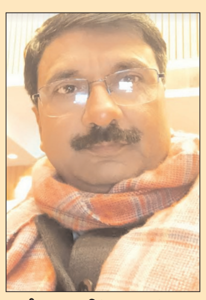

सुशील कुमार सिंह प्रधान संपादक

इतिहास के कई उदाहरणों में हम देखते हैं कि कोशिशें करते रहने से व्यक्ति अपनी अपेक्षाओं को ही नहीं, इंसानी सीमाओं को भी पार करने में सफल हुआ है। दरअसल, मनुष्य की क्षमताओं की सीमा तो है, लेकिन अंत नहीं। ये सीमाएं विस्तृत होती रहती हैं और इन्हें मनुष्य स्वयं अपने लिए विस्तृत करता है। चीजों और स्थितियों से गुजरकर ही मनुष्य न केवल उनका सत्य, बल्कि स्वयं का सत्य भी पहचानने की क्षमता अर्जित कर लेता है। किसी भी कार्य का परिणाम वही नहीं होता, जो सबको दिखता है। वास्तविक परिणाम वह बदलाव और सोच होती है, जो किसी कार्य को करने के दौरान विकसित होती है। जीवन में कुछ भी पीछे नहीं जाता। मनुष्य के लिए, लौटने का कोई रास्ता नहीं है। जहां हम हैं, उससे आगे का ना सोचने में ही फायदा है। जीवन की जीत कोई ऐसी स्थिर स्थिति नहीं है, जिसे एक बार हासिल करके छोड़ दिया जाए। इतिहास में हम देखते हैं कि पहली बार जीतने वाले लोग अंत तक नायक नहीं रह जाते। इतिहास हमें सिखाता है कि एक बार की जीत काफी नहीं, जीवन में कोशिश रोज करनी पड़ती है। जो हमने हासिल कर लिया है, अगर उसे बनाए रखने के लिए मेहनत नहीं करेंगे, तो वह बचा नहीं रहेगा। जिस तरह पराजय स्थायी नहीं है, उसी तरह कोई विजय भी स्थायी नहीं है। स्थायित्व सतत कर्मों की उस शृंखला से बनता है, जिसके लिए रोज प्रयत्न किए जाने की जरूरत होती है। मनुष्य को किसी भी प्रवृत्ति को स्थायी नहीं मान लेना चाहिए। चीजें आती हैं और बीत जाती हैं। जो उनसे टकराने की कोशिश करता है, वही बचा रहता है, अन्यथा समय उसे किनारे कर देता है। कोई कितना ही महान क्यों न हो जाए, हर व्यक्ति को रोज उठकर नई शुरूआत करनी ही पड़ती है। एक सीमा के बाद थोड़ा-थोड़ा जुड़कर भी बहुत कुछ होने लगता है, लेकिन इन सबके पीछे एक-एक दिन की मेहनत और लगन होती है।

संवाद से सशक्त होगा लोकतंत्र, हिंसा से नहीं

राहुल गांधी द्वारा नीट पेपर लीक प्रकरण को लेकर चल रहे घरना-प्रदर्शन के दौरान अचानक अपने सहयोगी सांसदों के साथ प्रधानमंत्री आवास के निकट धरने पर बैठना और संसद की बजाय सड़क को राजनीतिक संघर्ष का मंच बनाना अनेक गंभीर प्रश्न खड़े करता है। जिस प्रकार इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी के तथाकथित छात्रों एवं कार्यकताओं ने संसद चलो मार्च के दौरान तनावपूर्ण, अराजक एवं हिंसक माहौल बनाने की घटनाएं सामने आईं, उससे यह आशंका बलवती हुई कि कुछ राजनीतिक शक्तियां भारत में भी नेपाल जैसी अराजक परिस्थितियां पैदा करने को उजावले हैं। सरकार की सतर्कता और सुरक्षा एजेंसियों की समय रहते की गई कार्रवाई से, कुछ कमियों के बावजूद, इस बड़े संकट को टाल दिया गया, अन्यथा दिल्ली लंबे समय तक हिंसा और अशांति की चपेट में आ सकती थी।

ललित गर्ग

दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद भवन तक हाल के आंदोलन के दौरान जो तनाव, टकराव और हिंसक घटनाएं देखने को मिलीं, वे केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं हैं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव, बैरिकेड तोड़ने के प्रयास, मेट्रो स्टेशन में जबरन प्रवेश की कोशिश, पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग-ये सभी दृश्य उस लोकतांत्रिक संस्कृति के अनुरूप नहीं कहे जा सकते, जिसकी आधारशिला अहिंसा, संवाद और संवैधानिक मयार्दाओं पर रखी गई है। भारत आज आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ रहा है। यह केवल आर्थिक महाशक्ति बनने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक परिपक्वता की कसौटी पर भी स्वयं को सिद्ध करने का अवसर है। यदि हम आज भी असहमति को हिंसा, टकराव और अराजकता के माध्यम से व्यक्त करेंगे, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होगी। लोकतंत्र की शक्ति सड़क पर शक्ति-प्रदर्शन में नहीं, बल्कि विचारों की शक्ति, संवाद की संस्कृति और संवैधानिक प्रक्रियाओं में निहित होती है।

राहुल गांधी द्वारा नीट पेपर लीक प्रकरण को लेकर चल रहे घरना-प्रदर्शन के दौरान अचानक अपने सहयोगी सांसदों के साथ प्रधानमंत्री आवास के निकट धरने पर बैठना और संसद की बजाय सड़क को राजनीतिक संघर्ष का मंच बनाना अनेक गंभीर प्रश्न खड़े करता है। जिस प्रकार इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी के तथाकथित छात्रों एवं कार्यकताओं ने संसद चलो मार्च के दौरान तनावपूर्ण, अराजक एवं हिंसक माहौल बनाने की घटनाएं सामने आईं, उससे यह आशंका बलवती हुई कि कुछ राजनीतिक शक्तियां भारत में भी नेपाल जैसी अराजक परिस्थितियां पैदा करने को उजावले हैं। सरकार की सतर्कता और सुरक्षा एजेंसियों की समय रहते की गई कार्रवाई से, कुछ कमियों के बावजूद, इस बड़े संकट को टाल दिया गया, अन्यथा दिल्ली लंबे समय तक हिंसा और अशांति की चपेट में आ सकती थी। देश पहले भी नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध के दौरान शाहीन बाग में लगभग सौ दिनों तक एक प्रमुख सड़क के अवरुद्ध रहने और उससे आम नागरिकों को हुई भारी कठिनाइयों का अनुभव कर चुका है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार निर्विवाद है, लेकिन उसका स्थान संसद, संवाद और संवैधानिक संस्थाएं हैं, न

कि सड़क पर टकराव और अराजकता। विपक्ष यदि बार-बार ऐसे आंदोलनों को प्रोत्साहित करता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि उसका उद्देश्य लोकतांत्रिक विमर्श को मजबूत करना है या राजनीतिक ध्रूवीकरण और अस्थिरता को बढ़ावा देना। जनता अपेक्षा करती है कि सभी दल संसद को सर्वोच्च मंच मानते हुए वहीं जवाबदेही सुनिश्चित करें।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शांतिपूर्ण और निरस्त्र सभा करने का अधिकार देता है। यह अधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान है। किंतु प्रत्येक अधिकार के साथ कर्तव्य और मयार्दा भी जुड़ी होती है। प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, पुलिस से टकराव करना, हिंसा फैलाना अथवा आम नागरिकों के जीवन को बाधित करना किसी भी दृष्टि से लोकतांत्रिक आचरण नहीं कहा जा सकता। यदि आंदोलन अपनी नैतिक शक्ति खो देता है, तो उसकी मांगें भी समाज की सहानुभूति खो बैठती हैं। यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र केवल जनता के लिए नहीं, बल्कि सरकार के लिए भी उत्तरदायित्व का नाम है। सरकार को भी आंदोलनों को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं देखना चाहिए। जब भी किसी वर्ग, विशेषकर युवाओं और छात्रों में असंतोष उत्पन्न हो, तो उसका समय रहते समाधान खोजने का प्रयास होना चाहिए। संवाद के दरवाजे जितनी जल्दी खुलेंगे, टकराव की संभावनाएं उतनी ही कम होंगी। लोकतंत्र में सरकार की सबसे बड़ी शक्ति उसका धैर्य, संवेदनशीलता और संवाद की इच्छा होती है। इतिहास साक्षी है कि भारत के अधिकांश सफल जनआंदोलन अहिंसा और संवाद की शक्ति से ही सफल हुए हैं। महात्मा गांधी ने विश्व को यह संदेश दिया कि सत्य और अहिंसा सबसे बड़े अस्त्र हैं। वर्ष 2011 का अन्ना हजारे का भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन भी इसका उदाहरण है। लाखों लोग सड़कों पर उतरे, लेकिन आंदोलन का नैतिक बल उसकी शांति और अनुशासन में था। उसी कारण सरकार को संवाद का रास्ता अपनाना पड़ा और पूरे देश में एक सकारात्मक बहस प्रारंभ हुई। इसके विपरीत जहां-जहां आंदोलनों ने हिंसा का मार्ग अपनाया, वहां उनका मूल उद्देश्य पीछे छूट गया और चर्चा केवल हिंसा तक सीमित होकर रह गई। आज सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर ऐसी कौन-सी शक्तियां हैं, जो सामान्य और भोली-भाली जनता एवं देश के युवाओं को हिंसा की ओर धकेल देती हैं? कौन-से तत्व आंदोलनों की दिशा बदलकर उन्हें अराजकता में परिवर्तित कर देते हैं? यह चिंता केवल सरकार की नहीं, पूरे समाज की होनी चाहिए। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन यदि असहमति के मंच पर राष्ट्रविरोधी, अराजक अथवा हिंसक तत्व सक्रिय हो जाएं, तो उन्हें नियंत्रित करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य दायित्व बन जाता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ अराजकता की स्वतंत्रता नहीं हो सकता।

संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर है। जंतर-मंतर लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक स्थल है। यदि इन दोनों के बीच हिंसा, तोड़फोड़ ण्वं अराजकता का दृश्य निर्मित होता है, तो यह केवल राजधानी की घटना नहीं रहती, बल्कि पूरे देश और विश्व के सामने भारतीय लोकतंत्र की छवि को प्रभावित करती है। लोकतंत्र की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन अधिक आक्रामक है, बल्कि इस बात में है कि कौन अधिक संयमित और उत्तरदायी है। राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों लोकतंत्र के दो पहिए हैं। यदि दोनों के बीच संवाद समाप्त हो जाएगा, तो लोकतंत्र टकराव का अखाड़ा बन जाएगा। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करना भी है। उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल शक्ति प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि असहमति को सम्मानपूर्वक सुनना भी है। लोकतंत्र में किसी की पूर्ण विजय या पूर्ण पराजय नहीं होती, यहां अंततः संवाद, सहमति और समाधान ही सबसे बड़ी जीत होती है। छात्रों और युवाओं की समस्याओं का समाधान भी अत्यंत आवश्यक है। युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा हैं। यदि उनकी आशाओं और अपेक्षाओं की उपेक्षा होगी, तो असंतोष स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा। इसलिए सरकार को चाहिए कि वह युवाओं से नियमित संवाद स्थापित करे, उनकी समस्याओं को समयबद्ध ढंग से सुने और समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए। वहीं युवाओं को भी यह समझना होगा कि हिंसा उनके आंदोलन की सबसे बड़ी शत्रु है। पत्थर और लाठी किसी समस्या का समाधान नहीं करते, वे केवल संवाद के पुलों को तोड़ते हैं। आज आवश्यकता लोकतंत्र को अधिक परिपक्व बनाने की है। हमें ऐसी राजनीतिक संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें विरोध हो, लेकिन वैमनस्य न हो। मतभेद हों, लेकिन मनभेद न हों। संघर्ष हो, लेकिन हिंसा न हो। लोकतंत्र में बहस जितनी प्रखर होगी, राष्ट्र उतना ही मजबूत होगा। किंतु बहस का स्थान यदि हिंसा ले लेगी, तो लोकतंत्र की आत्मा आहत होगी। जंतर-मंतर से संसद तक जो कुछ हुआ, उसे लोकतांत्रिक आदर्श नहीं कहा जा सकता। यह किसी परिपक्व राजनीतिक सोच का भी परिचायक नहीं है। राष्ट्र निर्माण का मार्ग टकराव नहीं, सहयोग है। हिंसा नहीं, सहमति है। उग्रता नहीं, उदारता है। इसलिए आवश्यक है कि सभी पक्ष अपने-अपने आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें।

आज देश को ऐसे नेतृत्व और ऐसी जनचेतना की आवश्यकता है जो संवाद को संघर्ष से ऊपर रखे। सरकार उदारता और संवेदनशीलता दिखाए, आंदोलनकारी संयम और अनुशासन अपनाएं तथा राजनीतिक दल अल्पकालिक लाभ के बजाय लोकतंत्र की दीर्घकालिक मजबूती को प्राथमिकता दें। यही भारत की लोकतांत्रिक परंपरा की वास्तविक पहचान भी है और भविष्य की आवश्यकता भी। अंततः यही कामना की जानी चाहिए कि जिन शक्तियों के कारण आंदोलनों में हिंसा और टकराव का वातावरण बनता है, उन्हें सद्बुद्धि प्राप्त हो। सभी पक्ष संवाद की मेज पर बैठें, अपनी बात तर्क, तथ्यों और संवैधानिक मयार्दाओं के साथ रखें तथा समाधान का मार्ग खोजें। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विजय किसी पक्ष की जीत नहीं होती, बल्कि वह क्षण होता है जब विरोधी पक्ष भी एक-दूसरे की बात सुनने और समझने के लिए तैयार हो जाते हैं। यही आदर्श लोकतंत्र की पहचान है और यही विकसित भारत की सबसे मजबूत बुनियाद भी है।

छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन का कुछ राजनेताओं ने कर दिया राजनीतिकरण!

दीपक कुमार

नीट-यूजी की 3 मई 2026 को आयोजित मूल परीक्षा के पेपर लीक होने की खबरों के बाद 12 मई 2026 को सरकार ने नीट की परीक्षा को रद्द कर दिया था। तब से ही छात्रों में आक्रोश व्याप्त है और वह देश के विभिन्न हिस्सों में शांति पूर्ण तरीके से धरना प्रदर्शन करके अपना जबरदस्त विरोध प्रकट कर रहे थे। लेकिन अचानक ही 16 मई 2026 को कॉकरोच जनता पार्टी नामक एक पार्टी बन जाती है और वह पार्टी छात्रों के आंदोलन में कूद पड़ती है, उस पार्टी के द्वारा दिल्ली में जून के प्रथम सप्ताह से धरना प्रदर्शन शुरू किया जाता है, इस धरना प्रदर्शन में सबकुछ ठीक ठाक ही चल रहा था, लेकिन जब से कुछ राजनेताओं की एंट्री हुई है तब से ही छात्रों की मूल मांगो से खिलवाड़ होना शुरू हो गया है। हालांकि केंद्र सरकार ने नीट परीक्षा के पेपर लीक के इस मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो को इस मामले की जांच सौंपी दी थी। वही सरकार के द्वारा नए सिरे से नीट की पुनर्परीक्षा 21 जून 2026 को आयोजित की जा चुकी है, 16 जुलाई 2026 की रात को पुनर्परीक्षा के नतीजे भी एनटीए के द्वारा घोषित कर दिए गए हैं। लेकिन आजकल जबरदस्त प्रतियोगिता के इस दौर में सरकारी नौकरी व महत्वपूर्ण परीक्षाओं के पेपर बार-बार रद्द होने के कारण देशभर के छात्रों में भारी मानसिक तनाव के चलते विरोध की स्थिति जबरदस्त ढंग से देखने को मिल रही है। छात्रों के द्वारा लगातार देश व प्रदेशों के नीति-निमार्ताओं से परीक्षाओं की निष्पक्षता और छात्रों के बीच विश्वसनीयता को बरकरार रखने के लिए धरातल पर ठोस आवश्यक कदम उठाने की मांग भी लगातार की जा रही है। वहीं केंद्र सरकार निरंतर छात्रों को आश्वस्त कर रही थी कि वह भविष्य में आयोजित परीक्षाओं में पेपर लीक रोकने के लिए ठोस कदम उठा रही है, फिर भी आंदोलन जारी है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि छात्र आंदोलन में जब सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की एंट्री होती है, वह भूख हड़ताल पर बैठ जाते हैं और जब भूख हड़ताल एक-एक दिन करके लंबी चलने लगती है, तो छात्रों का शांतिपूर्ण ढंग से चल रहा यह आंदोलन देश के कुछ राजनेताओं के लिए अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए एक शानदार पर्यटन स्थल बन जाता है, जिसके चलते धरनास्थल पर बहुत तेजी से छोटे व बड़े राजनेताओं का तांता लगने लग जाता है। अब पिछले कुछ दिनों से जिस तरह की स्थिति कुछ लोगों व राजनेताओं के

द्वारा देश राजधानी दिल्ली में बनायी जा रही है, उससे अब यह स्पष्ट होता जा रहा कि लंबे अरसे से आंदोलनरत छात्रों की मूल मांगें राजनीतिकरण के चलते अब पीछे छूट गई हैं। छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन को आज कुछ लोगों के गैंग ने छात्र हित के जगह पर्दे के पीछे छिपी सत्ता हथियाने की सीढ़ी से केंद्र व प्रदेशों में सत्ता परिवर्तन करने का हथियार बना लिया है। छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन को कुछ लोगों व राजनेताओं ने पूर्व की भांति ही सत्ता परिवर्तन करने की महत्वाकांक्षा का हथियार बनाते हुए आंदोलन को राजनेताओं की स्वार्थ पूर्ति अखाड़ा बनाकर रख दिया है। हर बार की ही तरह इस बार भी छात्रों के बेहद शांतिपूर्ण ढंग से चल रहे आंदोलन को कुछ चतुर, चालाक व बेहद ही स्वार्थी राजनेता ने घुसकर के छात्रों व देश युवाओं के केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रोश को अपने क्षणिक हितों को साधने की ताकतवर ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करते हुए अपने व्यक्तिगत एजेंडे व हितों की पूर्ति करने व पार्टी के हितों को साधने वाली राजनीतिक जमीन को मजबूत करने वाला आंदोलन बनाकर रख दिया है। छात्रों के नाम पर शुरू हुए आंदोलन में अब छात्रों के हित की बातें बहुत पीछे छूटते जा रही हैं, राजनेताओं के छिपे हुए एजेंडे छात्र व नौजवानों के हितों पर हावी होते जा रहे हैं, कुछ लोगों के द्वारा आंदोलन को हिंसक बनाते हुए राजनीतिकरण किया जा रहा है। नीट परीक्षा लीक कांड के बाद से ही सरकारी परीक्षाओं में पेपर लीक रोकते हुए देश में छात्रों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए रणनीति बनाने की मांग व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे लेकर के शुरू हुई छात्रों की मांग पर अब पूरी तरह से राजनीति का शिकार होती जा रही है। छात्रों के शांति प्रिय आंदोलन में कुछ राजनेताओं की कृपा से अब तो आलम यह हो गया है कि कुछ राजनेता को छात्रों के विरोध का यह अवसर पर देश व प्रदेशों की सत्ता को परिवर्तित कर सत्ता पर काबिज होने का एक बड़ा अवसर तक लग रहा है। छात्रों के विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर देश के पक्ष-विपक्ष के राजनेताओं के द्वारा जमकर के राजनीति की जा रही है, सड़क से लेकर संसद तक हर तरफ संग्राम छिड़ा हुआ है, सड़क पर कुछ लोगों के द्वारा जबरदस्त टकराव की स्थिति उपस्थिति उत्पन्न करते हुए, लोगों के जान-माल व देश की बहुमूल्य संपत्तियों व सुरक्षा कर्मियों तक को निशाना बनाया जा रहा है। वहीं 20 जुलाई 2026 से ही जब से संसद में मानसून सत्र शुरू हुआ है तब से ही छात्रों व अन्य मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा व समस्या के स्थाई निदान पर चर्चा करने की जगह जमकर के हंगामा बरपाया जा रहा है। हालांकि देश की सुरक्षा एजेंसियां छात्र आंदोलन की आड़ में देशविरोधी गतिविधियों होने की लगातार संभावना व्यक्त कर रही हैं, लेकिन फिर भी किसी भी पक्ष को राष्ट्र व छात्रों के हितों की कोई चिंता वास्तव में नजर नहीं आती है, केवल और केवल किसी भी तरह से सत्ता हथियाने व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा करवाने की चिंता ज्यादा है। हालांकि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को दुविधा में डालने से पहले और हंगामा खड़ा होने से पहले ही स्वयं ही नैतिकता के आधार पर बिना किसी भी जोर दवाब के केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा स्वेच्छा से पहले ही दे देना चाहिए था और सरकार का विवेक था कि वह धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को स्वीकार करती या अस्वीकार करती। लेकिन छात्रों, अभिभावकों व हमें भी निष्पक्ष रूप से यह विचार अवश्य करना चाहिए कि क्या केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पूर्ण हो जाने से भविष्य में देश में पेपर लीक की यह घटनाएं रुक जायेंगी, क्या इस्तीफे से छात्रों व युवाओं का भविष्य सुरक्षित हो जायेगा। वैसे भी आज की परिस्थितियों में आंदोलनरत छात्रों को भी यह आत्ममंथन अवश्य करना चाहिए कि आज उनका शांतिपूर्ण आंदोलन कहां आकर के खड़ा हो गया है, क्या आंदोलन पर कब्जा जमाकर के बैठे नेताओं के द्वारा छात्र हित की बातें आज किसी समाधान करने वाले वास्तविक पटल पर उठायी जा रही हैं या इन नेताओं के द्वारा चतुराई से छात्रों की आड़ में अपने-अपने छिपे हुए एजेंडे को पूरा करा जा रहा है। सभी आंदोलनरत छात्रों को ध्यान रखना चाहिए कि हमारे प्यारे देश में ओछी राजनीति कब क्या करा दें, उसका कोई भरोसा नहीं है, इसलिए वह पूरी तरह से सजग रहें और शांतिपूर्ण आंदोलन को छात्र व नौजवानों के हितों तक ही सीमित करते हुए किसी भी कीमत पर हिंसक ना होने दें, तब ही देर सबेर छात्रों के हितों की बात को लेकर के कुछ ठोस निर्णय अवश्य होगा।

लोक कथा

हार की जीत (भाग-1)

माँ को अपने बेटे, साहूकार को अपने देनदार और किसान को अपने लहलहाते खेत देखकर जो आनंद आता है, वही आनंद बाबा भारती को अपना घोड़ा देखकर आता था। भगवत-भजन से जो समय बचता, वह घोड़े को अर्पण हो जाता। वह घोड़ा बड़ा सुंदर था, बड़ा बलवान। उसके जोड़ का घोड़ा सारे इलाके में न था। बाबा भारती उसे ह्लसुलतानह्व कह कर पुकारते, अपने हाथ से खरहरा करते, खुद दाना खिलाते और देख-देखकर प्रसन्न होते थे। ऐसे लगन, ऐसे प्यार, ऐसे स्नेह से कोई सच्चा प्रेमी अपने प्यारे को भी न चाहता होगा। उन्होंने अपना सब-कुछ छोड़ दिया था, रुपया, माल, असबाब, जमीन, यहाँ तक कि उन्हें नागरिक जीवन से भी घृणा थी। अब गाँव से बाहर एक छोटे-से मंदिर में रहते और भगवान का भजन करते थे; परंतु सुलतान से बिछुड़ने की वेदना उनके लिए असह्य थी। मैं इसके बिना नहीं रह सकूँगा, उन्हें ऐसी भ्रांति-सी हो गई थी। वे उसकी चाल पर लट्टू थे। कहते, ऐसे चलता है जैसे मोर घन-घटा को देखकर नाच रहा हो। गाँवों के लोग इस प्रेम को देखकर चकित थे, कभी-कभी कनखियों से इशारे भी करते थे, परंतु बाबा भारती को इसकी परवा न थी। जब तक संध्या-समय सुलतान पर चढ़कर आठ-दस मील का चक्कर न लगा लेते, उन्हें चैन न आता। खड्गसिंह उस इलाके का प्रसिद्ध डाकू था। लोग उसका नाम सुनकर काँपते थे। होते-होते सुलतान की कीर्ति उसके कानों तक भी पहुँची। उसका हृदय उसे देखने के लिए अधीर हो उठा। वह एक दिन दोपहर के समय बाबा भारती के पास पहुँचा और नमस्कार करके बैठ गया। बाबा भारती ने पूछा, खड्गसिंह, क्या हाल है? खड्गसिंह ने सिर झुकाकर उत्तर दिया, आपकी दया है। कहो, इधर कैसे आ गए? सुलतान की चाह खींच लाई। विचित्र जानवर है। देखोगे तो प्रसन्न हो जाओगे। मैंने भी बड़ी प्रशंसा सुनी है। उसकी चाल तुम्हारा मन मोह लेगी! कहते हैं देखने में भी बहुत सुंदर है। क्या कहना! जो उसे एक बार देख लेता है, उसके हृदय पर उसकी छवि अंकित हो जाती है। बहुत दिनों से अभिलाषा थी, आज उपस्थित हो सका हूँ। बाबा और खड्गसिंह दोनों अस्तबल में पहुँचे। बाबा ने घोड़ा दिखाया घमंड से, खड्गसिंह ने घोड़ा देखा आश्चर्य से। उसने सैकड़ों घोड़े देखे थे, परंतु ऐसा बाँका घोड़ा उसकी आँखों से कभी न गुजरा था। सोचने लगा, भाग्य की बात है। ऐसा घोड़ा खड्गसिंह के पास होना चाहिए था। इस साधु को ऐसी चीजों से क्या लाभ? कुछ देर तक आश्चर्य से चुपचाप खड़ा रहा। इसके पश्चात हृदय में हलचल होने लगी। बालकों की-सी अधीरता से बोला, परंतु बाबाजी, इसकी चाल न देखी तो क्या? बाबा जी भी मनुष्य ही थे। अपनी वस्तु की प्रशंसा दूसरे के मुख से सुनने के लिए उनका हृदय अधीर हो गया। घोड़े को खोलकर बाहर लाए और उसकी पीठ पर हाथ फेरने लगे। एकाएक उचककर सवार हो गए। घोड़ा वायु-वेग से उड़ने लगा। उसकी चाल देखकर, उसकी गति देखकर खड्गसिंह के हृदय पर साँप लोट गया। वह डाकू था और जो वस्तु उसे पसंद आ जाए उस पर अपना अधिकार समझता था। उसके पास बाहुबल था और आदमी भी। जाते-जाते उसने कहा, बाबाजी, मैं यह घोड़ा आपके पास न रहने दूँगा। बाबा भारती डर गए। अब उन्हें रात को नींद न आती थी। सारी रात अस्तबल की रखवाली में कटने लगी। प्रतिक्षण खड्गसिंह का भय लगा रहता, परंतु कई मास बीत गए और वह न आया। यहाँ तक कि बाबा भारती कुछ लापरवाह हो गए और इस भय को स्वप्न के भय की नाई मिथ्या समझने लगे। संध्या का समय था। बाबा भारती सुलतान की पीठ पर सवार होकर घूमने जा रहे थे। इस समय उनकी आँखों में चमक थी, मुख पर प्रसन्नता। कभी घोड़े के शरीर को देखते, कभी उसके रंग को, और मन में फूले न समाते थे। सहसा एक ओर से आवाज आई, ओ बाबा, इस कंगले की सुनते जाना। आवाज में करुणा थी। बाबा ने घोड़े को रोक लिया। देखा, एक अपाहिज वृक्ष की छाया में पड़ा कराह रहा है। बोले, क्यों तुम्हें क्या कष्ट है? अपाहिज ने हाथ जोड़कर कहा, बाबा, मैं दुखियारा हूँ। मुझ पर दया करो। रामाँवाला यहाँ से तीन मील है, मुझे वहाँ जाना है। घोड़े पर चढ़ा लो, परमात्मा भला करेगा।
वहाँ तुम्हारा कौन है? दुर्गादत्त वैद्य का नाम आपने सुना होगा। मैं उनका सौतेला भाई हूँ। बाबा भारती ने घोड़े से उतरकर अपाहिज को घोड़े पर सवार किया और स्वयं उसकी लगाम पकड़कर धीरे-धीरे चलने लगे। सहसा उन्हें एक झटका-सा लगा और लगाम हाथ से छूट गई। उनके आश्चर्य का ठिकाना न रहा, जब उन्होंने देखा कि अपाहिज घोड़े की पीठ पर तनकर बैठा और घोड़े को दौड़ाए लिए जा रहा है। उनके मुख से भय, विस्मय और निराशा से मिली हुई चीख निकल गई। वह अपाहिज डाकू खड्गसिंह था।

पंचतंत्र कहानी

शतमन्यु - दयालु और परोपकारी बालक

सत्युग की बात है। एक बार देश में दुर्भिक्ष पड़ा। वर्षा के अभाव से अन्न नही हुआ। पशुओ के लिए चारा नही रहा। दूसरे वर्ष भी वर्षा नही हुई। विपत्ति बढ़ती गयी। नदी-तालाब सूख चले। मार्तण्ड की प्रचण्ड किरणों से धरती रसहीन हो गयी। तृण भस्म हो गए। वृक्ष निष्प्राण हो चले मनुष्यों और पशुओं में हाहाकार मच गया। दुर्भिक्ष बढ़ता गया। एक वर्ष नही, दो वर्ष नही पुरे बाहर वर्षो तक अनावृष्टि रही। लोग त्राहि-त्राहि करने लगे। कहीं अन्न नही, जल , तृण नही, वर्षा और शीत ऋतुएँ नही। सर्वत्र सर्वदा एक ही ग्रीष्म-ऋतु धरती से उड़ती धूल और अग्नि में सनी तेज लू। आकाश में पंख पसारे दल-के-दल उड़ते पक्षियों के दर्शन दुर्लभ हो गये। पशु पक्षी ही नही, कितने मनुष्य काल के गाल में गए, कोई संख्या नही। मात्र-स्तनो मे दूध न पाकर कितने सुकुमार शिशु मृत्यु की गोद में सो गए, कौन जाने! नर-कंकालो देखकर करुणा भी करुणा से भीग जाती, किन्तु एक मुट्ठी अन्न किसकी कोई कहा से देता। नरेश का अक्षय कोष और धनपतीयो के धन अन्न की व्यवस्था कैसे करते? परिस्थिति उत्तरोत्तर बिगड़ती ही चली गयी। प्राणों के लाले पड़ गये। किसी ने बतलाया की नरमेघ किया गया तो वर्षा हो सकती है। लोगो को बात जँची; पर प्राण सबको प्यारे है। बलात किसकी बलि दी नही जा सकती। विशाल जन-समाज एकत्र हुआ था, पर सभी चुपचाप थे। सबके सर झुके थे। अचानक नीरवता भङ्ग हुई। सबने दृष्टि उठायी, देखा बारह वर्ष का अत्यन्त सुन्दर बालक खड़ा है। उसके अङ्ग-अङ्ग से कोमलता जैसे चू रही है। उसने कहा, ह्यउपस्थित महानभावो! असंख्य प्राणियों की रक्षा एवं देश को संकट की स्थति से छुटकारा दिलाने के लिये मेरे प्राण सहर्ष प्रस्तुत है। यह प्राण देश के है और देश के लिए अप्रित हो, इससे अधिक सदुपयोग इनका और क्या होगा? इसे बहाने विश्श्रत्मा प्रभु की सेवा इस कायासे हो जायगी। बेटा शतमन्यु! तू धन्य है।ह्व चिल्लाते हुए एक व्यक्ति दौड़कर उसे अपने हृदय से कस लिया। वे उसके पिता थे। तूने अपने पूर्वजों को अमर कर दिया। शतमन्यु की जननी भी वहीँ थी। समीप आ गयीं। उनकी आँखे झर रही थी। उन्होंने शतमन्यु को अपनी छाती इस प्रकार चिपका लिया, जैसे कभी नही छोड़ सकेगी। नियत समय पर समारोह के साथ यज्ञ प्रारम्भ हुआ। शतमन्यु को अनेक तीर्थों के जल से स्नान कराकर नवीन वस्त्रा-भूषण पहनाये गए। सुगन्धित चन्दन लगाया गया। पुष्प मालाओं से अंलकृत किया गया। बालक यज्ञ-मण्डप में आया। यज्ञ-स्तम्भ के समीप खड़ा होकर वह देवराज स्मरण करने लगा। यज्ञ-मण्डप शांत एवं नीरव था। बालक सिर झुकाये बलि के लिए तैयार था; एकत्रित जन- समुदाय मौन होकर उधर एकटक देख रहा था, उसी क्षण शून्य में विचित्र बाजे बज उठे। शतमन्यु पर पारिजात-पुष्पो की वृष्टि होने लगी। सहसा मेघ ध्वनि के साथ वज्रधर सुरेन्द्र प्रकट हो गए। सब लोग आँख फाड़े आश्चर्य के साथ देख रहे थे। शतमन्यु के मस्तक पर अत्यन्त प्यार से अपना वरद हस्त फेरते हुए सुरपति बोले - ह्यवत्स! तेरी भक्ति और देश की कल्याण-भावना से मै संतुष्ट हुँ। जिस देश के बालक देश की रक्षा के लिए प्राण अर्पण करने को प्रतिक्षण प्रस्तुत रहते हैं, उस देश का कभी पतन नही हो सकता। तेरे त्याग से संतुष्ट होकर मै बलि के बिना ही यज्ञ-फल प्रदान कर दूँगा। देवेन्द्र अन्तर्धान हो गये। दूसरे दिन इतनी वृष्टि हुई की धरती पर जल-ही-जल दिखने लगा। सर्वत अत्र-जल, फल-फूल का प्राचुर्य हो गया। एक देश-प्राण शतमन्यु के त्याग, तप एवं कल्याण की भावना ने सर्वत्र पवित्र आनन्द की सरिता बहा दी।

जांच समिति के सुझाव

(व्यंग्य)

संतोष उत्सुक

चोरी अब एक सम्मानजनक व्यवसाय भी है हालांकि कई पेशों में सम्मान, अपमानित हो चुका है। राजनीति को कभी देश और समाज की सेवा स्वीकारा जाता था लेकिन अब इसकी परिभाषा बदल कर नितांत व्यावसायिक हो गई है। चोरी के साथ साथ झूठ बोलना, मारना पीटना, जान लेना, सामान जमीन जेवर हथियाना सहयोगी व्यवसाय हैं।
चोरी अब एक सफल व्यवसाय हो गई है। इस क्षेत्र में काफी कुछ नया करने की संभावनाएं विकसित हो रही हैं। राजनीति की तरह, चोरी भी थोडा जोखिम भरा पेशा तो है मगर सफलता हासिल कर लो तो जिंदगी खुशनुमा हो जाती है। एक बार माल इक्कठा कर लो फिर चाहे कानून के साथ खेलना पड़े । दसियों साल निकल जाते हैं ज्यादा परेशानी नहीं होती। जुगाड़ हो जाए तो बुरा समय चम्पत रहता है। इस तरह की सफलताओं से उभरते चोर भी प्रेरित होते हैं और सुविधाओं भरे अवसरों का

शुद्ध लाभ कमाना सीख जाते हैं। चोरी अब एक सम्मानजनक व्यवसाय भी है हालांकि कई पेशों में सम्मान, अपमानित हो चुका है। राजनीति को कभी देश और समाज की सेवा स्वीकारा जाता था लेकिन अब इसकी परिभाषा बदल कर नितांत व्यावसायिक हो गई है।

चोरी के साथ साथ झूठ बोलना, मारना पीटना, जान लेना, सामान जमीन जेवर हथियाना सहयोगी व्यवसाय हैं। चोरी का व्यवसाय कर रहे लोग अपने कौशल से सुरक्षा उपायों को हमेशा हराते आए हैं क्यूंकि अपना कर्तव्य जो पूरी ईमानदारी से निभाते हैं। चोरी के मामले की कई साल तक चलने वाली, गहन तफ्तीश के बावजूद कुछ बरामद हो या न हो उपाय जरूर किए जाते हैं । सुझाव भी तो कई तरह के उपाए ही होते हैं। कम भण्डारण क्षमता वाले घटिया सीसीटीवी बेहोश पड़े होते हैं और मरम्मत लायक भी नहीं रहते। यह तो जब चोरी या दूसरी गड़बड़ करने वालों के ग्रह खराब स्थिति में आते हैं तभी पता चलता है। ऐसे मामलों में सबसे पहला जरूरी उपाय जांच होता है। एक बंदा तो ऐसे मामलों की जांच भी नहीं कर पाता इसलिए कई बार तीन समितियां बनानी पड़ती हैं तब जांच तेजी से हो पाती है। कई दर्जन पृष्ठों में विस्तार से बनी रिपोर्ट पढनी आसान और समझनी मुश्किल होती है तभी उसके लिए बुद्धिमान व्यक्ति अलग से लगाए जाते हैं।
जांच समिति उपदेश देती है कि सबसे पहले नोट गिनने वालों के लिए ड्रेस कोड लागू किया जाए। मतलब एक जैसे रंग, एक जैसे डिजाईन के कपड़े हों। कपड़ा बनाने वाली कम्पनी एक हो। एक ही दुकान से कपड़ा लिया जाए। यह ड्रेस जेब रहित हो यानी जब वर्दी में जेब नहीं होगी तो हेरा फेरी नहीं हो सकती। पहले नोट तहकर जेब में आराम से रखकर ले जाते होंगे। यह ड्रेस कर्मचारियों को ईमानदार बने रहने के लिए प्रेरित करेगी। दूसरा उपदेश यह आया कि मोबाइल और पर्स वगैरा बाहर रखा जाए। श्रद्धालु ज्यादा पुण्य कमाने के लिए नोट गणना में शामिल हो सकते हैं उन्हें भी कर्मचारियों की तरह करना होगा। बच्चे इस पुण्य कार्य में शामिल नहीं हो सकते। नामी कम्पनी, बढ़िया क्वालिटी, उच्च तकनीकी दक्षता वाले, ईमानदारी से खरीदे गए कैमरे कार्य स्थल के कोने कोने में लगा दिए जाएं। अतिरिक्त कर्मचारी भी लगाए जाएं।
नोट पात्रों को उठाकर ले जाने, पैसा निकालने, नोटों की गड्डियां बनाने और बैंक कर्मचारियों को सौंपने तक की गतिविधि को सीसीटीवी में लगातार देखकर रिकार्ड रखा जाए ताकि सनद रहे और बुरे वक़्त में काम आए। जिम्मेदार उच्च अधिकारी दक्षता से अपना मोर्चा स्थापित करेंगे और स्वाभाविक है उधर चोरी करने वाले भी अपनी नई स्किल विकसित कर रहे होंगे और नए कार्यक्षेत्र भी आजमाएंगे। यह तो समय को पता है कि जांच समिति के कौन कौन से सुझाव किस सीमा तक कितने कार्यन्वित होंगे । कुछ भी हो जी, जब जांच समिति के सुझावों का मौसम आता है तो अच्छा लगता है। ऐसा लगता है कुछ सकारात्मक होने के बेहतर दिन आ गए।

सपा के गढ़ में सीएम योगी देंगे 682 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

तैयारियों का पर्यटन मंत्री ने डीएम के साथ किया मौका मुआयना, दिए निर्देश

श्रीकान्त शाक्य

मैनपुरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का 26 जुलाई को मैनपुरी दौरा प्रस्तावित है। सीएम के दौरे को लेकर तैयारियां तेज कर दी गईं हैं। कार्यक्रम से पहले जिला प्रशासन पूरी तरह से तैयारी में जुटा हुआ है। आगरा रोड पर स्थित जवाहरलाल नेहरू खेल स्टेडियम में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के लिए भव्य मंच तैयार किया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि इस पंडाल में करीब 15 से 20 हजार लोगों की बैठने की व्यवस्था होगी। यह पंडाल पूरी तरह से वाटरप्रूफ होगा। पंडाल से 200 मीटर पहले ही मैदान में हेलीपैड का भी निर्माण किया जा रहा है। यहीं पर रविवार दोपहर करीब 12:25 बजे मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर उतरेगा। यहां से वह मंच पर पहुंचेंगे और 12.30 बजे जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री जनपद की करीब 682 करोड़ की परियोजना का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। शनिवार को पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने डीएम सहित अन्य अधिकारियों के साथ जनसभा स्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई।

करोड़ो की योजनाओं का शिलान्यास करेंगे

मुख्यमंत्री सभा के दौरान ही करोड़ों रुपये की योजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इसके साथ ही कई लाभार्थियों से भी मिलेंगे। जिस मंच पर मुख्यमंत्री बैठेंगे, वहां पर करीब 20 से 22 लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही मंच के बगल में एक दूसरा मंच तैयार किया गया है जिस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम किए जाएंगे। बगल में ही एक स्विच कॉटेज बनाया जा रहा है, जिसमें मुख्यमंत्री जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक भी करेंगे।

पर्यटन मंत्री के निरीक्षण में यह रहे मौजूद

पर्यटन मंत्री के निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद शाहा, मुख्य विकास अधिकारी नेहा बंधु, अपर जिलाधिकारी श्यामलता आनन्द, अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण ए.के. अरूण, डालचन्द भूकेश, धनुषधारी, अधिशाषी अभियंता विद्युत अनिल वर्मा, जिला पंचायत राज अधिकारी राजेश बघेल, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका बुद्धि प्रकाश, जिला क्रीड़ा अधिकारी साधना सिंह के अलावा जिलाध्यक्ष ममता राजपूत, प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक गुप्ता, उदय चौहान, अमित गुप्ता सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी आदि उपस्थित रहे।

लाभार्थियों को किया जाएगा लाभान्वित

डीएम डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने पर्यटन मंत्री को तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि सीएम के भ्रमण कार्यक्रम की सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जायेंगी, कार्यक्रम के दौरान जिन परियोजनाओं, कार्यों के शिलान्यास, लोकार्पण होने हैं, उनकी सूची तैयार कर ली गयी है, जिन लाभार्थियों को लाभान्वित किया जाना है, उनकी भी सूची तैयार की जा चुकी है।

खेलकूद प्रतियोगिता मे कस्तूरवा गांधी स्कूल का रहा दबदबा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। डायट परिसर मे स्थित कस्तूरवा गांधी बालिका आवासीय विधालय मे चल रही खेलकूद प्रतियोगिता मे कस्तूरवा गांधी बालिका आवासीय भोगांव की छात्राओ का दवदवा रहा।

शनिवार को आयोजित प्रतियोगिता मे अण्डर 14 दौड प्रतियोगिता मे कु0 अलका, कीर्ति, साक्षी, श्वेता, आंशी, जाहन्वी, अण्डर 17 दौड प्रतियोगिता मे शालिनी, अंजली, कीर्ति, अण्डर 14 कबड्डी प्रतियोगिता मे नित्या, नताशा, कीर्ति, अलका, प्रियांशी,दिव्या,लवी, निधि, भावना, बालीवाल प्रतियोगिता मे निगम, शिखा, मानवी, प्रिया, प्राची, करिश्मा, अन्शू, सिमरन, अण्डर 17 कबड्डी प्रतियोगिता मे नव्या, अमृता, एंजल, निगम, अंशिका, आंशिकी, रागिनी, राशि ने सफलता प्राप्त की। वार्डन सुधा यादव ने बताया कि प्रतियोगिता मे चयनित छात्राये मण्डलीय प्रतियोगिताओ मे भाग लेगी। इस मौके पर अभिजीत जयसवाल, जिला व्यायाम शिक्षक राकेश कुमार, खेल शिक्षिका रूचि यादव, अंजू यादव, अकिंता, राधिका गुप्ता, अनुपम मिश्रा आदि मौजूद थे।

लेखपाल मनमानी करके प्रमाण पत्र पर लगा रहा गलत रिपोर्ट

बिना जांच किए ही लोगो के कहने पर लगती हैं रिपोर्ट, अराजकतत्व लगवा रहे रिपोर्ट

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। तहसील क्षेत्र के मोहल्ला घरनाजपुर पर तैनात लेखपाल विपिन कुमार मनमानी करते हुए लोगो द्वारा ऑनलाइन किए गए प्रमाण पत्रों पर गलत रिपोर्ट लगा रहा है। लेखपाल मौके पर जांच करने नही जाते है। ऐसा ही मामला घरनाजपुर में देखने को मिला, वहां के रहने वाले गरीब मजदूर व्यक्ति ने आय प्रमाण पत्र ऑनलाइन किया, जिसके बाद लेखपाल ने बिना जांच किए ही उसपर गलत रिपोर्ट लगा दी। पीड़ित व्यक्ति ने मामले की शिकायत डीएम से करने की तैयारी कर ली है।

कुरावली के मोहल्ला घरनाजपुर निवासी भूपेन्द्र सिंह सक्सेना जो पेशे से एक ड्रायवर है। वह नगर में एक आटा मील में बतौर चालक काम करते है। जिसको सैलरी 10 से 12 हजार रुपए के करीब मिलती है। उसमें ही पूरे परिवार और घर का खर्च भी चलाना होता है। उन्होने आय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए जनसुविधा केंद्र से आवेदन किया था, ऑनलाइन करने के बाद घरनाजपुर में तैनात लेखपाल ने जांच करना भी उचित नही समझा, और घर बैठे ही प्रमाण पत्र पर गलत रिपोर्ट लगा दी। जबकि लेखपाल को मौके पर जाकर जांच करनी चाहिए थी कि आवेदन करने वाले व्यक्ति की आय कितनी है लेकिन लेखपाल ने ऐसा नहीं किया।

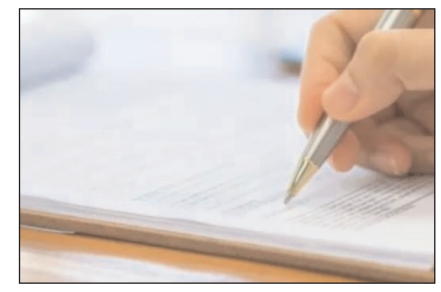

अराजकतत्व देते है लेखपाल को सूचना

लेखपाल द्वारा गलत रिपोर्ट लगाने के बाद जब जानकारी की गई तो चौंकाने वाली बात सामने आई, कुरावली में जहां का भी व्यक्ति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करता है तो लेखपाल उसी मोहल्ले के अराजकतत्व किस्म जैसे युवक से जानकारी लेकर रिपोर्ट लगाई जाती है। इन युवको द्वारा जो भी जानकारी दी जाएगी उसी के अनुसार रिपोर्ट लगाई जाएगी। लेखपाल मौके पर जाकर जांच करना उचित नही समझते है।

क्या बोले एसडीएम कुरावली

घरनाजपुर के व्यक्ति के प्रमाण पत्र पर लेखपाल द्वारा गलत रिपोर्ट लगाने का मामला संज्ञान में नहीं है। इसकी जानकारी करके पूरे मामले की जांच कराई जाएगी, जांच के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी, प्रमाण पत्रों के आवेदन करने के बाद लेखपाल द्वारा मौके पर जांच नहीं की जाती है। इसकी भी जांच कराकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।- प्रदीप कुमार, एसडीएम कुरावली।

युवती को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया युवक

कुरावली/मैनपुरी। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती को गांव का युवक बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया, परिजनो ने युवती को सभी जगह तलाश करने के बाद थाने में युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच करते हुए युवती की तलाश में जुटी हुई है। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति की 20 बर्षीय बेटी को गांव का ही आयुष पुत्र रविन्द्र बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया, बेटी के गायब हो जाने पर पहले तो व्यक्ति ने सभी स्थानो पर तलाश किया, तभी पता चला कि उनकी बेटी को गांव का ही आयुष ले गया है। जिसके बाद पिता ने थाने में युवक के विरुद्ध बेटी का अपहरण करके ले जाने सहित अन्य संगीन धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जांच के दौरान पता चला कि आरोपी युवक का मोबाइल भी बंद आ रहा है।

किशोरी को ले जाने का युवक पर मुकदमा दर्ज

भोगांव/मैनपुरी। थाना क्षेत्र में रहने वाली एक किशोरी को बहला फुसलाकर ले जाकर तथा उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोप एक युवक पर लगाकर मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने दिव्यांग पिता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।
थाना दन्नाहार क्षेत्र निवासी दिव्यांग व्यक्ति नगर के एक मुहल्ला मे किराये के मकान मे रहता है पडोस का ही रहने वाला करन पुत्र प्रमोद जोशी का उसके घर पर आना जाना था विगत 10 जुलाई को करन उसकी 14 बर्षीय पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले गया तथा उसके साथ तीन दिनो तक दुष्कर्म किया जब उसे जानकारी हुई तो करन के घर गया तो करन के परिजनो ने शादी करने की बात कहकर शिकायत न करने की बात कही विगत दिवस करन के परिजनो ने शादी करने से मना कर दिया।

सीएम योगी आदित्यनाथ के दौरा के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम

मैनपुरी का रुट डायवर्ट भी किया गया, घर से निकलने से पहले देख लें रूट

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ आज मैनपुरी पहुंचकर दो घंटे तक रुकने के बाद इटावा के लिए रवाना होंगे। उनकी सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन ने देर शाम तक सभी तैयारियों में जुटा रहा। सीएम की त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। जिसमें तीन एएसपी, आठ सीओ, 25 इंस्पेक्टर सहित 609 पुलिस कर्मियों को हैलीपेड, जनसभा स्थल से लेकर मार्ग पर तैनात किया जाएगा।

सीएम के आगमन से पहले शुक्रवार की शाम मैनपुरी पहुंचे एनएसजी कमांडो ने भी सुरक्षा व्यवस्था की पड़ताल की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रविवार को मैनपुरी आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। वह नगर के आगरा बाइपास रोड पर स्थित पंडित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। उनकी सुरक्षा की तैयारियों को लेकर शनिवार दोपहर को सभा स्थल का डीएम डा. इंद्रमणि त्रिपाठी, एसपी गणेश प्रसाद साहा, एएसपी ग्रामीण अभिषेक तिवारी ने निरीक्षण किया। इसके बाद अधिकारियों ने सीएम की सुरक्षा के लिए ड्यूटी में लगने वाले पुलिस कर्मियों के साथ संवाद कर मुस्तैदी के साथ जिम्मेदारी निभाने के निर्देश दिए गए हैं। बताया गया कि सीएम की त्रिस्तरीय सुरक्षा में 609 पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। जिसमें तीन एएसपी, आठ सीओ, 25 इंस्पेक्टर, 73 उप निरीक्षक, 15 महिला उप निरीक्षक, 388 हेड कांस्टेबल, 97 महिला पुलिस कर्मी की ड्यूटी लगाई गई है। ब्रीफिंग के दौरान डीएम ने पुलिस कर्मियों को पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी करने को कहा।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

एसपी ने वीवीआईपी मूवमेंट, यातायात व्यवस्था और प्रोटोकाल के विभिन्न पहलुओं की जानकारी देते हुए आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि जिस पुलिस कर्मी को जहां ड्यूटी पर लगाया गया है, वह वहीं पर ड्यूटी करेगा। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सुबह आठ बजे से रूट डायवर्जन लागू

यातायात प्रभारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि रविवार सुबह आठ बजे से नगर में रूट डायवर्जन लागू रहेगा। जिसमें करहल की ओर से आने वाले वाहन भांवत चौराहा, ईशन नदी पुल, कुरावली तिराहा और अटल चौक, देवी बाइपास रोड और सिंधिया तिराहा से आगरा की ओर जाने वाले वाहन डायवर्ट रहेंगे। घिरोर से आने वाले वाहन सिंधिया तिराहा होते हुए देवी बाइपास रोड और पड़रिया चौराहा होते हुए गुजारे जाएंगे। औंछा की ओर से भी आने वाले वाहनों को देवी बाइपास से गुजारा जाएगा। भोगांव से आने वाले वाहन कुरावली मोड ईशन नदी पुल होते हुए अपने गंतत्व को रवाना होंगे। कुरावली से आने वाले वाहन ज्योंति तिराहा से अपने गंतव्य को जाएंगे। इसके अलावा बड़ा चौराहा, करहल चौराहा की ओर से आने वाले पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे।

रामनगर-किशनी मार्ग क्षतिग्रस्त होकर बदहाली का शिकार

धूल से भरे गड्ढे, हजारों कांवड़िए इसी रास्ते से गुजरेंगे, ग्रामीणों में भारी आक्रोश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। रामनगर से किशनी को जोड़ने वाला 10 किलोमीटर लंबा मुख्य मार्ग पिछले कई वर्षों से अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। लोक निर्माण विभाग की लापरवाही का आलम यह है कि सड़क के जानलेवा गड्ढों को कायदे से ठीक करने के बजाय उन्हें केवल डस्ट ओर गिट्टी से भरवा दिया गया है। सावन का महीना शुरू होने वाला है और इसी बदहाल रास्ते से होकर हजारों कांवड़िए गुजरेंगे। उड़ती धूल और गड्ढों के कारण कांवड़ियों और राहगीरों के लिए इस मार्ग पर चलना किसी बड़े हादसे को आमंत्रण देने जैसा है।

इस 10 किलोमीटर लंबे मार्ग के निर्माण न होने से क्षेत्र के दो दर्जन से अधिक गांवों कत्तरा, सुल्तानपुर,मकोया, चांदा, मुर्गिया,रठेह, सभापुर तथा रामनगर आदि गाँवों की आबादी बेहद परेशान है। सड़क पर गहरे गड्ढे होने के कारण आए दिन लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं। मजबूरन ग्रामीणों और वाहन चालकों को कई किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाकर कुसमरा होकर अपने गंतव्य तक जाना पड़ता है। इससे लोगों का समय और पैसा दोनों बर्बाद हो रहा है। इस मार्ग से होकर पहले नगर के लोग छिबरामऊ सीधा निकल जाते थे लेकिन अब उन्हें दस किलोमीटर अधिक चलकर घूम कर जाना पड़ता हे।

सड़क की दुर्दशा को लेकर स्थानीय ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा है। स्थानीय लोगों का कहना है की जो गिट्टी और दस्त डाली जा रही है वाहनों के निकलने से कुछ ही समय बाद वह एक-एक कर निकाल कर खेत में पहुंच जाएगी और खड्ढे ज्यों के त्यों नजर आएंगे। क्षेत्र के लोगों ने विभाग और प्रशासन के खिलाफ तीखी नाराजगी जाहिर की है। मांग करने बालों में शिवराम सिंह यादव जयवीर यादव राजू चौहान रामू चौहान प्रबल प्रताप चौहान सतीश सक्सेना पंकज यादव आलोक यादव संदीप यादव मानसिंह यादव नरेश यादव महावीर यादव आदि रहे।

खाटू श्याम की निशान यात्रा पर की गई पुष्पवर्षा

बाबा की निशान यात्रा का नगर में जगह जगह स्वागत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। नगर में खाटू श्याम बाबा की निशान यात्रा निकाली गई जिसमे हजारो की संख्या मे भक्तो ने बाबा के जयकारे लगाकर नृत्य किया। शुक्रवार की देर शांय बाबा श्याम की निशान यात्रा नगर के सोमेश्वरनाथ मन्दिर मे स्थित खाटू श्याम के मन्दिर से आचार्य प0 देवेन्द्र दीक्षित ने पूजा अर्चना कर शुभारम्भ किया। निशान यात्रा नगर के मुहल्ला कबीरगंज, आलू मण्डी, छोटा बाजार, पीपल मण्डी, थाना कोतवाली, नगर पंचायत कार्यालय, बडा बाजार होती हुई मन्दिरा परिसर मे जाकर समाप्त हुई। निशान यात्रा मे पहुचे मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष नेहा तिवारी, प्रतिनिधि आशीष तिवारी का समिति के लोगो ने पगडी पहनाकर सम्मानित किया। निशाना यात्रा में भक्त झंडा हाथ मे लेकर फूलों की वर्षा करते हुए खाटू वाले श्याम तेरा ही सहारा, तेरे सिवा दुनिया में कोई न हमारा। जिस घर में खाटू वाले की तस्वीर लगाई जाती है जिस घर का छोटा बच्चा भी श्री श्याम की माला जपता है वहां श्याम का पहरा रहता है आदि भजनो एंव बाबा श्याम के नारो के साथ श्रद्धालुओं ने नाचते गाते निशान यात्रा निकालकर पूरे नगर में फूलों की होली खेली। इस मौके पर जयकुमार दुबे, आशीष दुबे, संदीप कुमार,शिवशंकर वर्मा, उदित वर्मा, रिंकी गुप्ता, अनीप गुप्ता, सोम्या गुप्ता आदि मौजूद थे।

जमीन नापजोख के लिए लेखपाल मांग रहा घूस

पीड़ित महिला ने शिकायत करके डीएम से लगाई गुहार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। बिछवां निवासी महिला ने डीएम से शिकायत करके आरोप लगाया है कि उसकी खेती की जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया गया है और संबंधित लेखपाल ने रिश्वत लेकर गलत रिपोर्ट प्रस्तुत की है। महिला ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और जमीन से अवैध कब्जा हटवाने की मांग की है।

बिछवां क्षेत्र निवासी रामप्यारी पत्नी लल्लू सिंह ने डीएम को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि मौजा बिछवां स्थित भूमि उनके और उनके पति के नाम दर्ज है। उन्होंने आरोप लगाया है कि गांव के आदेश कुमार, दुर्गेश कुमार, सर्वेश कुमार और प्रवेश कुमार ने उनकी जमीन के आधे से अधिक हिस्से पर अवैध कब्जा कर लिया है। महिला के अनुसार, करीब दो माह पहले उन्होंने इस मामले की शिकायत उप जिलाधिकारी कुरावली से की थी। शिकायत के बाद लेखपाल मौके पर पहुंचे और जमीन की पैमाइश की, लेकिन मेड़बंदी नहीं कराई। आरोप है कि लेखपाल के लौटते ही कथित आरोपियों ने मेड़ नहीं बनने दी और दोबारा जमीन पर कब्जा कर लिया।

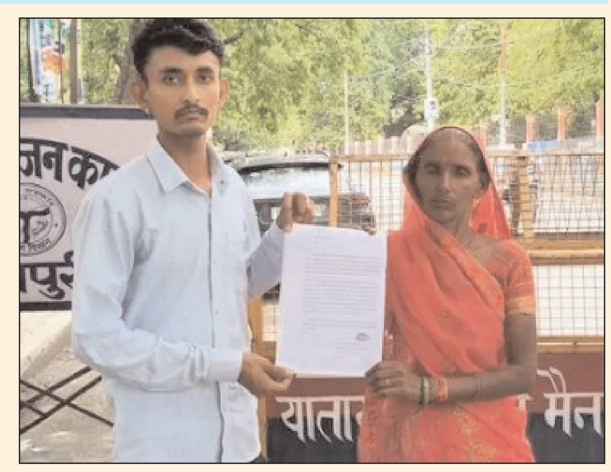

शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि इसके बाद से संबंधित लेखपाल उनकी सुनवाई नहीं कर रहे हैं और फोन तक नहीं उठा रहे। महिला का आरोप है कि लेखपाल दीपक भदौरिया ने जमीन की पैमाइश कराने के नाम पर उनसे 5 हजार रुपये भी लिए। इसके बावजूद न तो मेड़बंदी कराई गई और न ही कब्जा हटवाया गया। महिला ने बताया कि 9 मई को लेखपाल ने अधिकारियों को रिपोर्ट भेजी थी कि जमीन चिन्हित कर पूरी पैमाइश करा दी गई है और मेड़बंदी भी करा दी गई है। हालांकि, महिला का कहना है कि वास्तविकता में मेड़ नहीं बंधवाई गई है और दबंग अब भी जमीन पर कब्जा किए हुए हैं।

मछली पकडने गए युवक की नाले मे डूबकर मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। मछली पकडने गये युवक की गहरें नालें मे गिरकर डूबने से मौत हो गई जिससे परिजनो मे कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा है।

थाना क्षेत्र के ग्राम रामनगर निवासी 32 बर्षीय पुष्पेन्द्र पुत्र रामेश्वर दयाल शनिवार कों दोपहर लगभग एक बजे गांव मे निकट नाले मे मछली पकडने गया था जब काफी देर तक पुष्पेन्द्र घर बापस लौट कर नही आया तो परिजनो को चिन्ता हुई जिस पर परिजनो ने खोज शुरू गांव के निकट नाले मे पुष्पेन्द्र का शव पडा मिला। घटना की जानकारी पुलिस को होने पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

नीट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर रूपाली शाक्य का सम्मान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आलीपुर खेड़ा/मैनपुरी। आलीपुर खेड़ा निवासी डॉ महाराज सिंह शाक्य की पुत्री रुपाली शाक्य के प्रथम प्रयास में ही नीट परीक्षा में सफलता मिलने पर पैक्सपैड मंत्री प्रेमसिंह शाक्य ने घर पहुचकर बधाई देते हुए सम्मानित किया है।

ज्ञात हो कि आलीपुर खेडा निवासी रूपाली शाक्य ने नीट परीक्षा मे प्रथम प्रयास में ही 5427वीं रैंक हासिल की थी इस उपलब्धि पर पैक्स पैड मंत्री प्रेम सिंह शाक्य ने घर पहुंच कर मिष्ठान खिलाकर बधाई दी। उन्होंने कहा कि बच्चे जब मेहनत करते है तो उसका फल उन्हें जरूर मिलता है जिसमें मातापिता के साथ परिवार की भी मेहनत होती है। इस मौके पर मुरारी लाल शाक्य, प्रेमचन्द्र राजपूत, विजय विक्रम सिंह, भूदेव प्रसाद शाक्य, प्रशांत शाक्य, जसमन्त शाक्य, हेतराम, हरिओम कठेरिया, छोटे लाल, अजय पाल राजपूत, बालकराम शाक्य, नवल किशोर शाक्य, सौरभ सिंह, रघुनन्दन प्रजापति आदि मौजूद रहे।

कोर्ट के आदेश पर 138 लीटर शराब का विनिष्टीकरण

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। न्यायालय के आदेश पर उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता मे गठित टीम ने लाखो रुपए की अवैध देशी शराब को नष्ट कर दिया तथा जुआं, सटटे मे बरामद रूपयो को राजकोष मे जमा करवा दिया गया एंव बरामद हुये ताशो एंव अन्य सामान को जलाकर नष्ट किया गया।
पुलिस क्षेत्राधिकारी रामकृष्ण द्विवेदी ने बताया कि थाना पुलिस द्वारा 125 मुकद्दमो से सम्बन्धित बरामद 138 लीटर अवैध देशी शराब जिसकी कीमत 3 लाख 82 हजार 680 रुपए थी शनिवार को बरामद हुई देशी शराब को न्यायालय के आदेश पर विनिष्टीकरण की कारवाही की गई तथा जुआ अधिनियम के तहत 88 अभियोगो मे बरामद हुई 45380 रुपए की धनराशि को राजकोष मे जमा करवा दिया गया तथा डायरी, पैन, सट्टा की पर्ची, ताश की गड्डी को जला दिया गया। उपजिलाधिकारी मिथलेश कुमार त्रिपाठी ने नायब तहसीलदार को नामित कर भेजा था। इस मौके पर थाना प्रभारी निरीक्षक महाराज सिंह भाटी, मुख्य आरक्षी नरेन्द्र कुमार, सत्यप्रकाश, विजय प्रभाकर आदि मौजूद रहे।

वाय इंस्पेक्टर को बुलाएं लाओं, डीएम, मुख्यमंत्री को बुलाएं लाओं

धमकी देते हुए ग्राम प्रधान का ऑडियो वायरल, मैनपुरी में हडकंप

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/कुरावली। जब हम पीछे पड़ेंगे तो तुम गांव छोड़कर भागोगे या फिर नगरिया छोड़कर भागोगे, अभी हम आहिस्ता से कह रहे, वाय इंस्पेक्टर को बुलाए लाओं, डीएम, योगी और प्रधानमंत्री को बुलाएं लाओं, सबके सामने बैठकर तुमसे हम यहीं पूछेंगे, हम गारी दई, कब रास्ता घेरी, इसके अलावा भी कई बात कहकर धमकी दी गई है। वायरल ऑडियो के मामले में गांव सलेमपुर निवासी प्रशांत मिश्रा ने मामले की शिकायत एसपी से कर-के न्याय की गुहार लगाई है।

गांव सलेमपुर निवासी प्रशांत मिश्रा ने दावा किया है कि उन्हे फोन पर धमकी देने वाले ग्राम प्रधान सलेमपुर अनुज प्रताप सिंह है। प्रशांत ने बताया कि ग्राम प्रधान द्वारा उन्हे बेबजह ही काफी लंबे समय से परेशान किया जा रहा है। प्रशांत कहते है कि ग्राम प्रधान की धमकियों से वह परेशान हो चुके है। इस ऑडियो के वायरल होने के बाद एक बात साफ हो गई कि कुरावली की ग्राम पंचायत सलेमपुर के ग्राम प्रधान के सामने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, डीएम, इंस्पेक्टर आदि सभी अधिकारी छोटे हैं, ग्राम प्रधान तो राष्ट्रपति के बराबर ताकत रखते है।

वायरल ऑडियो के अनुसार तो यहीं बात निकलकर सामने आ रही है। ग्राम प्रधान के धमकी देने के बाद पीड़ित प्रशांत ने मामले की शिकायत एसपी से करके न्याय की गुहार लगाई है। इससे पहले प्रशांत ने मामले की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर की थी, जिसपर थाने के दरोगा दिनेश त्रिपाठी ने गलत रिपोर्ट लगा दी। एसपी से शिकायत के बाद अब देखने लायक होगा कि इसमें क्या होता है।

क्या बोले एसपी मैनपुरी

ग्राम प्रधान द्वारा किसी व्यक्ति को फोन पर धमकी दिए जाने का मामला संज्ञान में नहीं है। वायरल ऑडियो मिलने के बाद मामले की जांच कराई जाएगी, जांच में जो भी तथय सामने आयेंगे, उसके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।
- **गणेश प्रसाद साहा, एसपी मैनपुरी।**

खेरेश्वर महादेव इतिहास, आस्था और विश्वास का अद्भुत संगम

आस्था का प्राचीन केंद्र: महाभारत काल से जुड़ा है अलीगढ़ का खेरेश्वर महादेव मंदिर

मोर्निंग सिटी

अलीगढ़। जनपद अलीगढ़ के ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों में शामिल खेरेश्वर महादेव मंदिर भगवान शिव के प्रमुख सिद्धपीठों में गिना जाता है। गंगा-यमुना दोआब क्षेत्र में स्थित यह प्राचीन मंदिर सावन मास और महाशिवरात्रि के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बन जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यहां स्थापित शिवलिंग स्वयंभू है और सच्चे मन से की गई पूजा-अर्चना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।इतिहासकारों और स्थानीय मान्यताओं के अनुसार खेरेश्वर महादेव मंदिर का इतिहास महाभारत काल से जुड़ा माना जाता है। कहा जाता है कि महाभारत युद्ध के बाद पांडवों ने अपने पापों के प्रायश्चित के लिए भगवान शिव की आराधना की थी। उसी काल में इस क्षेत्र में शिवलिंग की स्थापना हुई, जो समय के साथ श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र बन गया। हालांकि इस कथा का प्रत्यक्ष ऐतिहासिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है, लेकिन यह मान्यता स्थानीय परंपराओं में लंबे समय से प्रचलित है।मंदिर के बारे में एक अन्य जनश्रुति यह भी है कि यहां भगवान शिव ने अपने भक्तों को दर्शन दिए थे, जिसके बाद इस स्थान का महत्व लगातार बढ़ता गया। वर्षों से साधु-संतों और शिवभक्तों की तपस्थली रहे इस मंदिर में देश के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

सावन में उमड़ता है श्रद्धालुओं का सैलाब

श्रावण मास में खेरेश्वर महादेव मंदिर का धार्मिक महत्व कई गुना बढ़ जाता है। हर सोमवार और शिवरात्रि पर हजारों कांवड़िये एवं श्रद्धालु जलाभिषेक करने के लिए यहां पहुंचते हैं। मंदिर परिसर में सुबह से देर रात तक ष्हर-हर महादेवष् और ष्बम-बम भोलेष् के जयघोष गूंजते रहते हैं। प्रशासन की ओर से सुरक्षा, यातायात, बैरिकेडिंग, पेयजल और चिकित्सा जैसी विशेष व्यवस्थाएं की जाती हैं।

प्राचीन स्थापत्य भी है आकर्षण

मंदिर की वास्तुकला भी श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करती है। पारंपरिक भारतीय शैली में निर्मित मंदिर में स्थित शिवलिंग, नंदी महाराज की प्रतिमा तथा विशाल प्रांगण इसकी विशेष पहचान हैं। समय-समय पर मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया, लेकिन इसकी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत आज भी सुरक्षित है।

धार्मिक पर्यटन की बढ़ रही संभावनाएं

स्थानीय नागरिकों और धार्मिक संगठनों का मानना है कि यदि खेरेश्वर महादेव मंदिर को पर्यटन की दृष्टि से और विकसित किया जाए तो यह अलीगढ़ के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थलों में शामिल हो सकता है। बेहतर सड़क, पार्किंग, यात्री सुविधाएं और पर्यटन प्रचार से यहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में और वृद्धि हो सकती है।आस्था, इतिहास और संस्कृति का संगम बने खेरेश्वर महादेव मंदिर में वर्षभर श्रद्धालुओं का आगमन होता है, लेकिन सावन के पावन महीने में यहां की धार्मिक छटा और भक्तिभाव अपने चरम पर पहुंच जाता है।

जिलों में बनेंगे सड़क, पुल व फ्लाईओवर, बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 8000 करोड़ की परियोजनाएं मंजूर

लखनऊ

उत्तर प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर और यातायात तंत्र को और मजबूत बनाने की दिशा में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने बड़ा कदम उठाया है। विभाग ने बुनियादी ढांचे के कायाकल्प के लिए कुल 8000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इस योजना के धरातल पर उतरने से विभिन्न जिलों में सड़क, पुल और फ्लाईओवर का जाल बिछेगा। इससे आवागमन सुगम होगा और व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। विभाग के मुताबिक इस कार्य की गति और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए चरणबद्ध तरीके से फंड जारी किया जाएगा। योजना की पहली किस्त के रूप में 3500 करोड़ रुपये का आवंटन किया जाएगा। यह राशि आवश्यक प्रशासनिक और टेंडर संबंधी औपचारिकताएं पूरी होते ही विभाग को जारी कर दी जाएगी ताकि निर्माण कार्यों में कोई विलंब न हो। स्वीकृत परियोजनाओं में राज्य के यातायात बुनियादी ढांचे का चौमुखी विकास शामिल है। इसके तहत प्रमुख राज्य राजमार्गों के चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण और नए संपर्क मार्गों के निर्माण को प्राथमिकता दी जाएगी। नदियों और नहरों पर नए पुलों के निर्माण के साथ-साथ जर्जर पुलों का जीर्णोद्धार होगा।

शहरों में जाम से मिलेगी निजात

प्रमुख शहरों में ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात दिलाने और भीड़भाड़ वाले चौराहों को सुगम बनाने के लिए नए फ्लाईओवर बनाए जाएंगे। वरिष्ठ अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि टेंडर प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से पूरी की जाएगी। पहली किस्त जारी होते ही ग्राउंड लेवल पर काम शुरू कर दिया जाएगा। परियोजनाओं को निर्धारित समय में पूरा करने के लिए कड़े मानक तय किए जा रहे हैं। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता जांचने के लिए एक विशेष निगरानी तंत्र बनेगा जिससे तय समय सीमा में जनता को इसका लाभ मिल सके।

राजधानी में बदमाशों का खूनी तांडव, व्यापारी को घर में बनाया बंधक; पति-पत्नी और बेटी के सिर पर किया हमला

लखनऊ

राजधानी के इंदिरानगर थाना क्षेत्र स्थित अमराई गांव (बजरंग चौराहा) में शुक्रवार देर रात हथियारबंद बदमाशों ने घर में घुसकर खूनी वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने लॉकर तोड़कर लूटपाट का प्रयास किया। विरोध करने पर उन्होंने घर में मौजूद दंपती और उनकी बेटी पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार, देर रात बदमाश घर में घुसे और लॉकर तोड़ने की कोशिश करने लगे। आवाज सुनकर घर में मौजूद उमेश चंद्र (55), उनकी पत्नी शांति देवी और बेटी सीमा जाग गए। तीनों ने बदमाशों का विरोध किया तो हमलावरों ने उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में तीनों गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। कुछ देर बाद होश में आई शांति देवी ने शोर मचाया, जिस पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार तीनों की हालत गंभीर बनी हुई है।

पीड़ित परिवार के बेटे दीपक गुप्ता ने बताया कि घर से कितनी नकदी और सामान चोरी हुआ है, इसका अभी आकलन नहीं हो सका है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि बदमाशों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

यूपी में पत्नी का कत्ल: अमरूद के बहाने खेला खूनी खेल, मधु को मारने की साजिश का संदीप ने खुद किया खुलासा

बागपत

घरेलू कलह में एक पति द्वारा अपनी ही पत्नी की बेरहमी से हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी पति ने पहले पत्नी को अमरूद तोड़ने के बहाने नलकूप पर बुलाया और फिर गला घोंटकर उसे मौत के घाट उतार दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने खुद थाने पहुंचकर अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। यूपी के बागपत स्थित बराल गांव के रहने वाले संदीप का अपनी पत्नी मधु के साथ अक्सर विवाद रहता था। इसी कलह के चलते संदीप ने अपनी पत्नी को रास्ते से हटाने की खौफनाक साजिश रची। वह मधु को अमरूद तोड़ने के बहाने गांव के ही एक नलकूप पर ले गया। वहां मौका पाकर उसने मधु का गला घोंट दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद संदीप सीधे पुलिस थाने पहुंचा और पुलिसकर्मियों को पूरी घटना की जानकारी दी। हत्या की सूचना मिलते ही गांगनौली से मधु के मायके वाले थाने पहुंच गए। मधु के भाई कपिल ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2006 में उनकी बड़ी बहन प्रीति की शादी संदीप से हुई थी। बीमारी के चलते तीन साल बाद प्रीति का निधन हो गया था, जिसके बाद परिवार ने छोटी बहन मधु की शादी संदीप से करा दी। मधु और संदीप के दो बच्चे हैं, जिनमें एक बेटा मौक्ष और बेटी मानवी है। कपिल का आरोप है कि संदीप अक्सर मधु के साथ मारपीट करता था और प्रताड़ित करता था, जिसकी शिकायत मधु ने कई बार अपने मायके में की थी। शनिवार को जब कपिल अपनी बहन से मिलने बराल गांव पहुंचा, तो उसकी सास राजबाला ने गुमराह करते हुए बताया कि मधु डॉक्टर के पास गई है। इस पर कपिल वापस लौट गया, लेकिन कुछ ही देर बाद उसे अपनी बहन की हत्या की दुखद खबर मिली। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने नलकूप पर पड़े मधु के शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आरोपी संदीप को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और उससे कड़ाई से पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार, आरोपी संदीप का एक भाई (राजीव) यूपी पुलिस में दरोगा (सब-इंस्पेक्टर) के पद पर तैनात है। पुलिस हर पहलू की गहनता से जांच कर रही है ताकि मृतका को न्याय मिल सके।

महिला मित्र संग रह रहे युवक की मौत, हत्या का आरोप, आठ साल पहले पत्नी और बेटी को छोड़ दिया था

कानपुर

गुजैनी थाना क्षेत्र के जरौली फेज-दो में रील बनाने वाली महिला मित्र के साथ रह रहे राहुल (38) की शनिवार सुबह संदिग्ध हालात में मौत हो गई। महिला उसे सहयोगियों की मदद से कांशीराम अस्पताल लेकर पहुंची। डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। परिजन ने महिला मित्र पर हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर मामला शांत करा शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। रावतपुर के सराय निवासी पिता महेश शुक्ला ने बताया कि राहुल प्रिंटर और टोनर का काम करता था। वर्ष 2011 में उसकी शादी आवास विकास कल्याणपुर निवासी स्मिता से हुई थी। दोनों की एक बेटी आराध्या है। शादी के करीब तीन साल बाद राहुल को रील बनाने वाली महिला ने अपने प्रेमजाल में फंसा लिया। परिवार के विरोध के बावजूद राहुल ने परिवार से अलग महिला मित्र के साथ रहने लगा। पिता और छोटे भाई अंकित के अनुसार शनिवार सुबह करीब 10 बजे गुजैनी चौकी पुलिस ने फोन कर राहुल की मौत की सूचना दी। गुजैनी इंस्पेक्टर राजन शर्मा ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शाहकमाल रोड पर लगने वाली अवैध लकड़ी मंडियों पर उठे सवाल

अतरौली बना हरे पेड़ों के अवैध कटान का बड़ा केंद्र

मोर्निंग सिटी

अलीगढ़। जनपद में हरे-भरे पेड़ों के अवैध कटान का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अतरौली क्षेत्र अवैध कटान का सबसे बड़ा केंद्र बनता जा रहा है, जहां से प्रतिदिन बड़ी मात्रा में पीपल, नीम, शीशम, और अन्य हरे पेड़ों की लकड़ी काटकर शहर लाई जा रही है। इसके बावजूद संबंधित विभागों की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है।

ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकताओं का कहना है कि तड़के सुबह ही ट्रैक्टर-ट्रॉली और छोटे मालवाहन वाहनों में भरकर हरे पेड़ों की लकड़ियां शहर पहुंचने लगती हैं। आरोप है कि इन लकड़ियों की खरीद-फरोख्त गांधी पार्क बस स्टैंड के पास लगने वाली अवैध लकड़ी मंडियों में खुलेआम होती है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।सबसे अधिक चिंता का विषय पीपल जैसे धार्मिक और पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण वृक्षों का कटान बताया जा रहा है। पर्यावरणविदों का कहना है कि पीपल, बरगद और नीम जैसे पेड़ वायु शुद्धिकरण, भूजल संरक्षण और जैव विविधता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनके लगातार कटने से पर्यावरण पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि यदि वन विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस द्वारा नियमित जांच अभियान चलाया जाए तो अवैध कटान और लकड़ी के इस कारोबार पर आसानी से अंकुश लगाया जा सकता है। उनका कहना है कि प्रतिदिन लकड़ी से लदे वाहन शहर में प्रवेश करते हैं, लेकिन इनके स्रोत और परिवहन से जुड़े दस्तावेजों की प्रभावी जांच नहीं की जाती।पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि अतरौली क्षेत्र में अवैध कटान के नेटवर्क की जांच कराई जाए, गांधी पार्क बस स्टैंड के आसपास संचालित होने वाली कथित अवैध लकड़ी मंडियों का सत्यापन कराया जाए तथा बिना वैध अनुमति लकड़ी के परिवहन और बिक्री में शामिल लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए।यदि समय रहते इस पर प्रभावी रोक नहीं लगी तो जिले का हरित क्षेत्र तेजी से प्रभावित होगा और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है।

लखनऊ अग्निकांड के 32 दिन बाद अवैध इमारत पर चला बुलडोजर

लखनऊ

अलीगंज अग्निकांड में 15 लोगों की मौत के 32 दिन बाद शनिवार को लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने अवैध चार मंजिला इमारत को ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी। सुबह करीब 7:30 बजे एलडीए के 45 अधिकारी और कर्मचारी तीन बुलडोजर व एक हाइड्रोलिक मशीन के साथ मौके पर पहुंचे। कार्रवाई के दौरान आसपास की सड़कों पर बैरिकेडिंग कर यातायात रोक दिया गया और सुरक्षा व्यवस्था के लिए 100 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए।

एलडीए के अनुसार, पूरी इमारत को जमींदोज करने में पूरे दिन का समय लग सकता है। ध्वस्तीकरण के दौरान भवन मालिक वीरेंद्र शुक्ला के अधिवक्ता राजेंद्र शुक्ला मौके पर पहुंचे और कार्रवाई पर आपत्ति जताई। उनका कहना था कि एलडीए ने 25 जुलाई तक का समय दिया था, लेकिन उसी दिन बिना अलग ध्वस्तीकरण आदेश जारी किए कार्रवाई शुरू कर दी गई। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई को अदालत में चुनौती दी जाएगी।

श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय में सेवानिवृत्त एवं स्थानांतरित शिक्षकों को दी भावभीनी विदाई

मोर्निंग सिटी

अलीगढ़। श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय शिक्षक संघ के तत्वावधान में शनिवार को महाविद्यालय परिसर में सेवानिवृत्त एवं स्थानांतरित शिक्षकों के सम्मान में भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में शिक्षकों के लंबे शैक्षणिक योगदान को याद करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर प्रो. ब्रजेश कुमार, प्रो. राजीव कुमार, प्रो. पंकज कुमार वार्ष्णेय एवं डॉ. मनीषा को सेवानिवृत्ति पर तथा डॉ. अनिल कुमार, डॉ. विकास कुमार, डॉ. हरेंद्र नाथ शर्मा, डॉ. मोहन कुमार एवं डॉ. नेपाली को स्थानांतरण पर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।समारोह में प्रो. पंकज कुमार वार्ष्णेय, डॉ. विकास कुमार, डॉ. अनिल कुमार एवं डॉ. हरेंद्र नाथ शर्मा ने श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय में अपने कार्यकाल के अनुभव साझा करते हुए संस्थान से जुड़ी यादों का उल्लेख किया। उन्होंने सहकर्मियों के सहयोग और महाविद्यालय परिवार से मिले स्नेह के लिए आभार व्यक्त किया।महाविद्यालय शिक्षक संघ के सचिव डॉ. प्रीतम कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान सेवानिवृत्त एवं स्थानांतरित शिक्षकों को शॉल ओढ़ाकर, माल्यार्पण कर तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संचालन प्रो. कृष्णा अग्रवाल, डॉ. नंदिता सिंह एवं डॉ. अतुल अरोरा ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथि एवं महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. नीता ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक किसी भी शिक्षण संस्थान की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। उन्होंने सभी सेवानिवृत्त एवं स्थानांतरित शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं सफल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

अतरौली नगर पालिका पर ग्रामीणों का आरोप, गनियावली मार्ग पर कूड़ा डालने का विरोध

मोर्निंग सिटी

अलीगढ़। अतरौली नगर पालिका द्वारा ग्राम गनियावली के समीप सड़क किनारे कूड़ा डाले जाने का ग्रामीणों ने विरोध किया है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर लगातार कूड़ा डाले जाने से आवागमन बाधित हो रहा है और आसपास गंदगी व दुर्गंध फैलने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों के अनुसार इसी मार्ग से स्कूली छात्र-छात्राएं प्रतिदिन स्कूल जाते हैं। सड़क पर कूड़ा जमा होने से बच्चों को आने-जाने में कठिनाई होती है तथा दुर्घटना और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की आशंका भी बनी रहती है। ग्रामीणों ने नगर पालिका से तत्काल इस व्यवस्था को बंद कर वैकल्पिक स्थान पर कूड़ा निस्तारण की मांग की है।इस संबंध में ग्राम प्रधान प्रशांत मुद्गल, ठाकुरदास शर्मा, कौशल कुमार मुद्गल, सिद्धांत मुद्गल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने विरोध दर्ज कराते हुए कहा कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो वे प्रशासन से शिकायत करने के साथ आंदोलन करने को भी विवश होंगे।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांव की मुख्य सड़क पर कूड़ा डालना तत्काल बंद कराया जाए और नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को गंदगी और दुर्गंध से राहत मिल सके।

डीएम-एसएसपी ने खेरेश्वर और अचलेश्वर महादेव मंदिर का किया निरीक्षण

मोर्निंग सिटी

अलीगढ़। श्रावण मास में शिवभक्तों की बढ़ती संख्या और आगामी धार्मिक आयोजनों को देखते हुए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में शनिवार को जिलाधिकारी अविनाश कुमार एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने प्रसिद्ध खेरेश्वर महादेव मंदिर और अचलेश्वर महादेव मंदिर का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान डीएम एवं एसएसपी ने मंदिर परिसर, प्रवेश एवं निकास मार्ग, बैरिकेडिंग, सुरक्षा व्यवस्था तथा श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़े सभी इंतजामों का बारीकी से अवलोकन किया। अधिकारियों ने संबंधित विभागों और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंदिर प्रबंधन समिति के साथ समन्वय बनाकर सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।जिलाधिकारी ने मंदिर परिसर और आसपास नियमित साफ-सफाई बनाए रखने, पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने, रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखने तथा भीड़ नियंत्रण के लिए प्रभावी बैरिकेडिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रावण मास में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं, इसलिए व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।वहीं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मंदिर परिसर और आसपास सीसीटीवी कैमरों की सतत निगरानी, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता तथा सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करेगी।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंदिर प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों से भी चर्चा कर आवश्यक सुझाव लिए और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन एवं मंदिर प्रबंधन के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि श्रावण मास के दौरान सभी प्रमुख शिव मंदिरों पर सुरक्षा और सुविधाओं की नियमित निगरानी की जाएगी, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण में भगवान शिव के दर्शन कर सकें।

आईजीआरएस पर शिकायत के बावजूद अवैध निर्माण पर कार्रवाई नहीं, जेई पर लापरवाही के आरोप

मोर्निंग सिटी

अलीगढ़। अलीगढ़ विकास प्राधिकरण (एडीए) के क्षेत्र में अवैध निमार्णों पर कार्रवाई को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री के आईजीआरएस (जनसुनवाई) पोर्टल पर शिकायत दर्ज होने और प्रकरण के निस्तारण का दावा किए जाने के बावजूद आज तक अवैध निर्माण के खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।शिकायतकर्ता के अनुसार करीब तीन से चार माह पूर्व आवास विकास क्षेत्र स्थित एक रिहायशी कॉलोनी में रिहायशी क्षेत्र के बीच व्यावसायिक गतिविधियां संचालित किए जाने और चार अवैध दुकानों के निर्माण की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर दर्ज कराई गई थी। शिकायत के बाद प्रकरण का निस्तारण दर्शा दिया गया, लेकिन मौके पर स्थिति जस की तस बनी हुई है।आरोप है कि शिकायत लंबित रहने के दौरान निर्माणकर्ता ने चारों अवैध दुकानों में से एक दुकान किराये पर भी उठा दी और अन्य दुकानों का भी उपयोग शुरू कर दिया। शिकायतकर्ता का कहना है कि इससे स्पष्ट है कि कार्रवाई के नाम पर केवल कागजी औपचारिकताएं पूरी की गईं।शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि मामले की जानकारी कई बार संबंधित कनिष्ठ अभियंता (जेई) यासीन को दूरभाष और व्यक्तिगत रूप से दी गई। हर बार जल्द ही अवैध निर्माण को सील करने का आश्वासन दिया गया, लेकिन कई महीने बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। शनिवार को भी जेई यासीन के द्वारा एक दो दिन में निर्माण को सील करने का आश्वासन दिया ।अब शिकायतकर्ता ने पूरे मामले की एडीए मुख्यालय में शनिवार को लिखित शिकायत देकर जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की जांच कराने और अवैध निर्माण के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की है।शिकायतकर्ता का कहना है कि यदि आईजीआरएस पर दर्ज शिकायतों के बावजूद भी कार्रवाई नहीं होती है तो जनसुनवाई व्यवस्था की पारदर्शिता और प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न खड़े होना स्वाभाविक है।अब देखना यह होगा कि मुख्यालय में शिकायत पहुंचने के बाद अलीगढ़ विकास प्राधिकरण संबंधित अवैध निर्माण के विरुद्ध क्या कार्रवाई करता है और मामले में लगाए गए आरोपों की जांच किस प्रकार की जाती है।

52 लाख की कॉपर चोरी का पदार्फाश, ट्रक चालक समेत छह गिरफ्तार

एसओजी और सिकन्द्राराऊ पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, 26 कॉपर सिल्ली, दो तमंचे और कारतूस बरामद

मोर्निंग सिटी

हाथरस। एसओजी टीम और सिकन्द्राराऊ थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ट्रांसपोर्ट के दौरान कॉपर की सिल्ली चोरी कर ट्रक को लावारिस छोड़ने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने ट्रक चालक समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे और निशानदेही पर करीब 52 लाख रुपये मूल्य की 26 कॉपर सिल्ली, दो अवैध तमंचे और चार जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।पुलिस के अनुसार 23 जून को हरदोई निवासी पुष्पेंद्र सिंह ने थाना सिकन्द्राराऊ में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी कंपनी का कॉपर से लदा ट्रक 21 जून को रवाना हुआ था, लेकिन माल गंतव्य तक नहीं पहुंचा। जीपीएस लोकेशन के आधार पर ट्रक सिकन्द्राराऊ क्षेत्र में लावारिस हालत में मिला, जबकि उसमें लदा अधिकांश कॉपर गायब था। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के निर्देशन में गठित टीम ने ग्राउंड इंटेलिजेंस, तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। शनिवार को एसओजी और सिकन्द्राराऊ पुलिस ने एटा-अलीगढ़ बाईपास के पास छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि ट्रक चालक की मिलीभगत से घटना की साजिश करीब तीन माह पहले रची गई थी। योजना के तहत ट्रक में

लदी 48 कॉपर सिल्ली में से 36 सिल्ली कुरावली (मैनपुरी) के जंगल में उतार ली गई थीं, जबकि ट्रक में 12 सिल्ली छोड़कर उसे सिकन्द्राराऊ क्षेत्र में लावारिस खड़ा कर दिया गया था, ताकि मामला लूट का प्रतीत हो। बाद में चोरी का माल दिल्ली में बेचने की तैयारी थी, लेकिन पुलिस ने गिरोह को दबोच लिया।पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर 26 कॉपर सिल्ली बरामद कर ली है। शेष माल की बरामदगी के प्रयास जारी हैं। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से दो अवैध तमंचे और चार कारतूस भी बरामद किए गए हैं।गिरफ्तार आरोपियों में राजेश कुमार उर्फ बंटू (एटा), कुलदीप उर्फ मोहित उर्फ मामा (मैनपुरी), दुर्वेश यादव उर्फ झम्मू (कासगंज), पवन यादव (एटा), पुष्पेंद्र (फिरोजाबाद) और अवधेश यादव (कासगंज) शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार गिरोह के कई सदस्यों पर हाथरस सहित विभिन्न जनपदों में चोरी, डकैती, गैंगस्टर एक्ट, अवैध शस्त्र, धोखाधड़ी, जालसाजी और अन्य गंभीर धाराओं में पहले से मुकदमे दर्ज हैं। आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

यूपी में मानसून फिर होगा सक्रिय, 27 जुलाई से भारी बारिश के आसार

लखनऊ

उत्तर प्रदेश में बीते तीन दिनों से मानसूनी बारिश की रफ्तार धीमी पड़ने के बाद अब मौसम फिर कर-वट लेने जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार 27 जुलाई से प्रदेश में मानसून दोबारा सक्रिय होगा और कई जिलों में अच्छी बारिश होने की संभावना है। 27 को तराई क्षेत्र में कहीं-कहीं भारी बारिश भी हो सकती है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मानसून टर्फ के फिर उत्तर की ओर खिसकने और बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के तेजी से मजबूत होने से प्रदेश में बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी। इसके प्रभाव से 27 से 30 जुलाई के बीच पूर्वी और पश्चिमी, दोनों हिस्सों में व्यापक बारिश के आसार हैं। हालांकि, इस बीच 26 जुलाई के लिए प्रदेश में कहीं भी भारी बारिश का अलर्ट नहीं है। 27 जुलाई से मौसम का मिजाज बदलने लगेगा और कई जिलों में रुक-रुक कर तेज बारिश देखने को मिल सकती है।

जौहर विवि: रामपुर में इकरा और आजम समर्थक भिड़े, गेस्ट हाउस में हंगामा, दोनों पक्षों के बीच हाथापाई की नौबत

रामपुर

समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल के रामपुर दौरे के दौरान गेस्ट हाउस में उस समय अफरातफरी का माहौल बन गया, जब सांसद इकरा हसन और सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां के समर्थक हॉल में प्रवेश को लेकर आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों के समर्थकों के बीच पहले तीखी नोकझोंक हुई और फिर धक्का-मुक्की शुरू हो गई।

देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया और कुछ देर के लिए हॉल के बाहर हंगामे की स्थिति बन गई। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के लिए जौहर रोड स्थित संत शिरोमणि गेस्ट हाउस के हॉल में प्रवेश की व्यवस्था की गई थी। इसी दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक भी अंदर जाने का प्रयास करने लगे। बताया जाता है कि सांसद इकरा हसन के समर्थकों ने उनके साथ हॉल में प्रवेश करने की कोशिश की, जबकि आजम खां के समर्थक भी बड़ी संख्या में मौजूद थे। सीमित स्थान और भारी भीड़ के कारण दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो कुछ ही देर में धक्का-मुक्की तक

पहुंच गई। कुछ लोगों ने बीच में आकर मामले को शांत किया। कुछ समय तक प्रवेश द्वार पर अव्यवस्था का माहौल बना रहा, जिसके कारण प्रतिनिधिमंडल के कार्यक्रम की व्यवस्था भी प्रभावित हुई। काफी मशक्कत के बाद सांसद इकरा हसन को सुरक्षा घेरे में हॉल के भीतर पहुंचाया गया। इसके बाद स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हुई और प्रतिनिधिमंडल की बैठक आगे बढ़ सकी।

दो दिन पहले विधायकों व पदाधिकारियों का प्रतिनिधि मंडल रामपुर पहुंचा था तब रामपुर के सांसद मोहिबुल्लाह नदवी और सपा नेता आजम खां के समर्थकों के बीच तीखी नोंकझोंक हुई थी। उस वक्त दोनों ओर से नारेबाजी भी हुई थी। जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों के ध्वस्तीकरण के आदेश के खिलाफ खुलकर उतरी समाजवादी पार्टी के आठ सांसदों का प्रतिनिधि मंडल शनिवार को कई अन्य नेताओं के साथ रामपुर पहुंचा। आसपास के सपा और आजम खां समर्थक भी भारी भीड़ के साथ पहुंचे थे। संत रविदास गेस्टहाउस में एकत्र होकर प्रतिनिधिमंडल जौहर यूनिवर्सिटी गेट पर सातवें दिन बेमियादी धरने पर बैठे छात्रों से जाकर मिला।

उन्हें भरोसा दिया कि यूनिवर्सिटी को टूटने नहीं दिया जाएगा। प्रतिनिधि मंडल, यूनिवर्सिटी के वीसी से बंद कमरे में मुलाकात के बाद कलक्ट्रेट पहुंचा और यहां जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी से मिलकर ज्ञापन सौंपा।

कांवड़ यात्रा तैयारियों की सांसद ने की समीक्षा, महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर विशेष जोर

मोर्निंग सिटी हाथरस। श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए केला फार्म हाउस में सांसद अनूप प्रधान वाल्मीकि की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में महिला कांवड़ियों की सुरक्षा, हेल्पलाइन नंबरों का व्यापक प्रदर्शन, स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।जिलाधिकारी अतुल वत्स ने बताया कि जनपद के अलीगढ़-आगरा एवं कासगंज-मथुरा मार्गों पर विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। इस वर्ष 32 कांवड़ सेवा शिविरों को अनुमति दी गई है। मार्गों पर हाईमास्ट लाइट, सीसीटीवी, कंट्रोल रूम, जोन एवं सेक्टरवार ड्यूटी, स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती तथा एम्बुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी लगातार जारी है।पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल की जोन एवं सेक्टरवार तैनाती की गई है। प्रमुख मार्गों, मंदिरों और संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी, बैरिकेडिंग एवं नियमित गश्त की व्यवस्था रहेगी।बैठक में सदर विधायक अंजुला सिंह माहौर, सिकंद्राराऊ विधायक वीरेन्द्र सिंह राणा, राज्य महिला आयोग की सदस्य मीना कुमारी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला जनसुनवाई में पहुंचे 5 मामले, त्वरित कार्रवाई के निर्देश

मोर्निंग सिटी हाथरस। महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं उत्पीड़न के मामलों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से तहसील सदर सभागार में महिला जनसुनवाई, नारी चौपाल एवं समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में सांसद अनूप प्रधान वाल्मीकि की उपस्थिति रही, जबकि अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या मीना कुमारी ने की।जनसुनवाई के दौरान घरेलू हिंसा सहित कुल 5 प्रकरण सामने आए। महिला आयोग की सदस्या ने सभी मामलों की सुनवाई कर संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला थाने में लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण करने और पीड़ित महिलाओं को समयबद्ध न्याय दिलाने पर जोर दिया।बैठक में महिला सुरक्षा एवं कल्याण योजनाओं की समीक्षा भी की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि पात्र महिलाओं तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के साथ ही महिला उत्पीड़न के मामलों में परामर्श, संरक्षण और विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आरसेटी में कृषि उद्यमी प्रशिक्षण के लिए पंजीकरण शुरू, ग्रामीण युवाओं को मिलेगा नि:शुल्क प्रशिक्षण

मोर्निंग सिटी हाथरस। कैनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), सासनी द्वारा ग्रामीण युवक-युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 'कृषि उद्यमी बैच' के लिए पंजीकरण शुरू कर दिया गया है। सासनी-जलेसर मार्ग स्थित किशनगढ़ी में आयोजित होने वाला यह लगभग 15 दिवसीय प्रशिक्षण पूरी तरह नि:शुल्क होगा।संस्थान निदेशक सुनील कुमार झा ने बताया कि प्रशिक्षण में आधुनिक कृषि तकनीक, फसल उत्पादन एवं प्रबंधन, मशरूम, सब्जी, फूल एवं बागवानी, डेयरी, बकरी पालन, पोल्ट्री प्रबंधन, जैविक खेती और वर्मी कम्पोस्ट निर्माण का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही कृषि आधारित उद्यम की योजना, विपणन, बैंक ऋण और सरकारी योजनाओं की जानकारी भी विशेषज्ञों द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी।प्रशिक्षण में 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के कम से कम 8वीं पास ग्रामीण युवक-युवतियां आवेदन कर सकते हैं। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा तथा स्वरोजगार के लिए बैंक ऋण एवं सरकारी योजनाओं से जोड़ने में भी सहायता दी जाएगी।आरसेटी ने बताया कि सीटें सीमित हैं, इसलिए प्रवेश 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर होगा। इच्छुक अभ्यर्थी कैनरा बैंक आरसेटी कार्यालय, किशनगढ़ी, सासनी-जलेसर मार्ग, हाथरस में संपर्क कर पंजीकरण करा सकते हैं।

आरएलडी कार्यकर्ता सम्मेलन में टीम आरएलडी गठन पर मंथन, सोशल मीडिया से गांव-गांव तक पहुंचेगी पार्टी की नीति

मोर्निंग सिटी हाथरस। शहर के आगरा रोड स्थित अग्रवाल सेवा सदन में राष्ट्रीय लोकदल का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन एवं टीम आरएलडी (चुनाव प्रबंधन अभियान) के जनपद स्तरीय गठन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में टीम आरएलडी के राष्ट्रीय संयोजक प्रवीण कुमार, सदस्य अमरीश त्यागी, राष्ट्रीय महासचिव डॉ. यशपाल बघेल, क्षेत्रीय अध्यक्ष ब्रजेश चाहर, सादाबाद विधायक प्रदीप चौधरी तथा जिलाध्यक्ष चौधरी श्याम सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।मुख्य अतिथि प्रवीण कुमार ने कहा कि टीम आरएलडी का विस्तार गांव, कस्बों और शहरों तक किया जाएगा तथा युवाओं को जोड़कर सोशल मीडिया के माध्यम से पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार किया जाएगा। विधायक प्रदीप चौधरी ने कहा कि युवाओं को प्रशिक्षण देकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाया जाएगा।कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव बंटी भैया ने किया। उनके प्रभावशाली संचालन और शेर-ओ-शायरी की शैली की मंच पर मौजूद नेताओं ने सराहना की। क्षेत्रीय अध्यक्ष ब्रजेश चाहर और विधायक प्रदीप चौधरी ने उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के आगामी कार्यक्रम के संचालन की जिम्मेदारी देने की घोषणा की, जिसके बाद कार्यकताओं के बीच उन्हें संगठन में बड़ी जिम्मेदारी मिलने की चर्चाएं तेज हो गईं।

चौथे दिन भी रद्द रहीं पैसेंजर ट्रेनें, यात्रियों की बढ़ी परेशानी

मोर्निंग सिटी हाथरस। साहिबाबाद स्टेशन पर मालगाड़ी के पटरी से उतरने का असर चौथे दिन भी रेल संचालन पर बना रहा। हाथरस किला से चलने वाली एचएडी पैसेंजर और टूंडला-दिल्ली टीएडी पैसेंजर ट्रेन लगातार चौथे दिन भी रद्द रहने से हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।इन ट्रेनों पर रोजाना सफर करने वाले दैनिक यात्रियों को वैकल्पिक साधनों का सहारा लेना पड़ा। स्टेशन पहुंचे कई यात्री ट्रेन रद्द होने की सूचना मिलने पर बिना यात्रा किए ही लौट गए। यात्रियों ने आरोप लगाया कि रेलवे द्वारा ट्रेनों के निरस्त होने की पूर्व सूचना नहीं दी जा रही है, जिससे उन्हें अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ रही है।

दहेज उत्पीड़न में पति समेत चार पर मुकदमा, बेटी को गायब या हत्या की आशंका

मोर्निंग सिटी

हाथरस। दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को प्रताड़ित करने के मामले में न्यायालय के आदेश पर थाना हाथरस गेट पुलिस ने पति समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया और अब उसके गायब होने अथवा हत्या की आशंका है। रनवीर सिंह के अनुसार उनकी बेटी वर्षा का विवाह 29 अप्रैल 2025 को नयाबांस अहवरनपुर निवासी पवन कुमार से हुआ था। शादी में करीब पांच लाख रुपये खर्च किए गए थे। आरोप है कि विवाह के बाद पति पवन, देवर रूपेश, सास उर्मिला देवी और मौसी सास निर्मला देवी अतिरिक्त दहेज में मोटरसाइकिल की मांग करते हुए वर्षा का मानसिक एवं शारीरिक उत्पीड़न करने लगे।शिकायत के अनुसार 13 मार्च को वर्षा ने फोन कर दहेज के लिए मारपीट किए जाने की जानकारी दी थी। अगले दिन ससुराल पक्ष की ओर से फोन कर बताया गया कि वर्षा घर से लापता है। पिता ने आशंका जताई है कि उनकी बेटी को गायब कर दिया गया है या उसकी हत्या कर शव ठिकाने लगा दिया गया है।पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चौराहा पर अचानक फायरिंग से मची अफरा तफरी

मोर्निंग सिटी

भोगांव/मैनपुरी। शनिवार को प्रातः नगर के पडुआ रोड चौराहा के निकट उस समय अफरा तफरी मच गई जब पुरानी रंजिश को लेकर दवंग आरोपियो ने जान से मारने की नियत से फायरिंग कर दी जिससे हडकम्प मच गया। घटना की तहरीर पुलिस को दी गई है।थाना क्षेत्र के ग्राम गैती निवासी सौरभ पुत्र राधाकृष्ण ने पुलिस को दी तहरीर मे बताया कि गांव के ही दीपक पुत्र सुल्तान सिंह के साथ शनिवार को बाजार करने आया था जब बह नगर के पडुआ रोड चौराहा पर पहुचा तो पहले से मौजूद आरोपियो आरोपियो ने उसे पकडकर उसके साथ मारपीट करने लगे तथा जान से मारने की नियत से उस पर फायरिंग शुरू कर दी जिससे बह बाल बाल बच गया। अचानक हुई फायरिंग की घटना से चैराहा पर दुकान लगाये लोगो मे हडकम्प मच गया। घटना की जानकारी पुलिस को होने पर पुलिस ने मौके पर पहुचकर जांच पडताल की किन्तु तब तक आरोपी फरार हो गये। थाना प्रभारी निरीक्षक महाराज सिंह भाटी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है दोषिंयो के विरूद्ध कडी कारवाही की जायेगी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: आईजी रेंज लखनऊ की अध्यक्षता में नई एसआईटी गठित

लखनऊ

राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच के लिए शासन ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार शनिवार को नई एसआईटी गठित कर दी है। अब आईजी रेंज लखनऊ किरण एस की अध्यक्षता में गठित एसआईटी में अयोध्या रेंज के डीआईजी सोमेन बर्मा व एसएसपी अयोध्या डॉ. गौरव ग्रोवर को शामिल किया गया है। कई दिनों से सुस्त पड़ी जांच अब तेजी पकड़ेगी। केस में नए आरोपी भी बनाए जा सकते हैं।

जून के पहले सप्ताह में चढ़ावा चोरी का मामला उजागर हुआ था। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की मांग पर शासन ने 13 जून को एसआईटी गठित की थी। एसआईटी में लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, आईजी रेंज लखनऊ किरण एस और विशेष

सचिव (वित्त) नील रतन को शामिल थे।

20 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान यूपी सरकार को आदेश दिया था कि मामले की जांच के लिए आईपीएस के नेतृत्व में एसआईटी गठित की जाए। अगली सुनवाई 27 जुलाई को होनी है। सुनवाई से पहले शासन ने नई एसआईटी गठित कर दी है। पहली एसआईटी में आईजी रेंज लखनऊ शामिल थे। इसलिए नई एसआईटी को जांच में काफी मदद मिलेगी। अब तक हुई जांच के तथ्यों को नई एसआईटी अपनी तफ्तीश में शामिल करेगी।

फर्जी बीमा क्लेम और जीएसटी चोरी का आरोप, आरटीआई कार्यकर्ता एसोसिएशन ने उठाए बड़े सवाल

मोर्निंग सिटी

हाथरस। सूचना का अधिकार कार्यकर्ता एसोसिएशन, हाथरस ने दि न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और राज्य कर (जीएसटी) विभाग के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए फर्जी बीमा क्लेम एवं जीएसटी चोरी से जुड़े कथित मामले में सूचना छिपाने का आरोप लगाया है। आरटीआई कार्यकर्ता एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष राजीव वार्ष्णेय ने दावा किया है कि आरटीआई के तहत मांगी गई सूचनाएं लोकहित से जुड़ी होने के बावजूद विभिन्न धाराओं का हवाला देकर उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं।एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष राजीव वार्ष्णेय ने प्रेस को जारी बयान में आरोप लगाया कि मेसर्स श्री जी फूड्स एवं मेसर्स पिंकी फूड्स द्वारा कथित रूप से फर्जी खरीद-बिक्री, बोगस बिलिंग और कूटरचित बैलेंस शीट के आधार पर करोड़ों रुपये की जीएसटी चोरी तथा बीमा कंपनी से फर्जी बीमा क्लेम प्राप्त किए गए। उनका आरोप है कि संबंधित मामलों में हुई जांच से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक नहीं किए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि संबंधित फर्मों पर वर्ष 2025 में राज्य कर विभाग

द्वारा छापामार कार्रवाई की गई थी। इसके बावजूद कथित जांच रिपोर्ट, जीएसटी रिटर्न और अन्य अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं। एसोसिएशन का आरोप है कि सूचना देने से बचने के लिए सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 8(1)(f), 8(1)(1) एवं 8(1)(ं) का गलत उपयोग किया जा रहा है।राजीव वार्ष्णेय का कहना है कि जब मामला कथित कर चोरी, जालस-ाजी, फर्जी बीमा दावों और सरकारी राजस्व के नुकसान से जुड़ा हो तो वह व्यापक लोकहित का विषय बन जाता है और ऐसे मामलों में गोपनीयता की दलील लागू नहीं होती। उन्होंने अपने दावों के समर्थन में उच्चतम न्यायालय तथा विभिन्न उच्च न्यायालयों के कई निर्णयों का हवाला भी दिया है।एसोसिएशन ने यह भी कहा कि केंद्रीय जीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 158(3) के तहत अपराधों की जांच और व्यापक लोकहित से जुड़े मामलों में सूचना का प्रकटीकरण किया जा सकता है। इसलिए संबंधित विभागों द्वारा सूचना न देना विधिसम्मत नहीं है।एसोसिएशन ने मांग की है कि संबंधित फर्मों की जांच रिपोर्ट, जब्ती सूची और जीएसटी रिटर्न की प्रमाणित प्रतियां उपलब्ध कराई जाएं तथा बीमा कंपनी और राज्य कर विभाग के अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई तो मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की जाएगी तथा भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसियों से भी शिकायत की जाएगी।

सामूहिक विवाह समारोह में घरेलू गैस सिलेंडरों से बना भोजन? सुरक्षा नियमों पर उठे सवाल?

मोर्निंग सिटी

हाथरस। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत अलीगढ़ रोड स्थित कैला फार्म हाउस में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडरों के इस्तेमाल को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। कार्यक्रम में करीब 214 नवविवाहित जोड़ों, उनके परिजनों और अतिथियों के लिए भोजन तैयार किया गया, लेकिन मौके पर भोजन बनाने के लिए घरेलू सिलेंडरों का उपयोग होता दिखाई दिया, जबकि बड़े व्यावसायिक आयोजनों में नियमानुसार कमर्शियल गैस सिलेंडरों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भोजन तैयार करने वाले स्थान पर कई घरेलू सिलेंडर लगे हुए थे। जब मौके पर मौजूद एक कर्मचारी से इस संबंध में जानकारी ली गई तो वह स्पष्ट जवाब देने से बचता नजर आया। इसके बाद आयोजन की सुरक्षा व्यवस्था और गैस उपयोग के मानकों को लेकर चर्चा शुरू हो गई।जानकारों का कहना है कि घरेलू एलपीजी सिलेंडर केवल घरेलू उपयोग के लिए निर्धारित होते हैं। बड़े व्यावसायिक आयोजनों,

होटल, मैरिज हॉल अथवा सामूहिक भोज में कमर्शियल सिलेंडरों का उपयोग किया जाना चाहिए। यदि घरेलू सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग किया गया है तो इसकी जांच आवश्यक है।अब सवाल यह उठ रहा है कि इतने बड़े सरकारी आयोजन में भोजन तैयार करने के दौरान गैस सुरक्षा मानकों का पालन किया गया या नहीं। यदि घरेलू सिलेंडरों का उपयोग हुआ है तो संबंधित विभागों द्वारा इसकी जांच कर स्थिति स्पष्ट किए जाने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 214 जोड़े बंधे वैवाहिक बंधन में 22 मुस्लिम जोड़ों सहित सभी नवदंपतियों को मिला आशीर्वाद, प्रत्येक जोड़े पर सरकार ने किए एक लाख रुपये खर्च

मोर्निंग सिटी

हाथरस। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शनिवार को अलीगढ़ रोड स्थित कैला फार्म हाउस में 214 जोड़ों का विवाह धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न कराया गया। इनमें 22 मुस्लिम जोड़ों का निकाह भी कराया गया। समारोह में जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देकर उनके सुखद दांपत्य जीवन की कामना की।कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद अनूप प्रधान वाल्मीकि, विधायक अंजुला सिंह माहौर, विधायक वीरेंद्र सिंह राणा, राज्य महिला आयोग की सदस्य मीना कुमारी, जिलाधिकारी अतुल वत्स तथा पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।सांसद अनूप प्रधान वाल्मीकि ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बड़ी राहत है। इससे गरीब परिवारों की बेटियों का सम्मानपूर्वक विवाह कराया जा रहा है। उन्होंने कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों को 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' और बाल विवाह रोकने की शपथ भी दिलाई।विधायकों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने कहा कि योजना सामाजिक समरसता, महिला सशक्तिकरण और गरीब परिवारों के उत्थान की दिशा में सरकार की महत्वपूर्ण पहल है।

उन्होंने सभी नवदंपतियों के सुखद एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं।जिलाधिकारी अतुल वत्स ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन ने समारोह को व्यवस्थित एवं गरिमामय ढंग से संपन्न कराने का प्रयास किया है।मुख्य विकास अधिकारी पी.एन. दीक्षित ने बताया कि योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र कन्या के खाते में 60 हजार रुपये की आर्थिक सहायता सीधे हस्तांतरित की जाती है। इसके अलावा 25 हजार रुपये की विवाहोपयोगी सामग्री तथा 15 हजार रुपये विवाह आयोजन पर व्यय किए जाते हैं। इस प्रकार प्रत्येक जोड़े पर सरकार द्वारा कुल एक लाख रुपये की सहायता उपलब्ध कराई जाती है।समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता चौधरी, अपना दल के जिलाध्यक्ष रवि सारस्वत, ब्लॉक प्रमुख रामेश्वर उपाध्याय, अपर जिलाधिकारी प्रशांत तिवारी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में परिजन एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

72 घंटे बाद भी नहीं हुई शिनाख्त, एडीएचआर ने कराया अज्ञात शव का अंतिम संस्कार

मोर्निंग सिटी

हाथरस। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक ह्यूमन राइट्स (एडीएचआर) ने एक अज्ञात व्यक्ति के शव का हिंदू रीति-रिवाज से अंतिम संस्कार कराया। संस्था लंबे समय से लावारिस एवं अज्ञात शवों के सम्मानजनक अंतिम संस्कार का कार्य कर रही है।जानकारी के अनुसार 21 जुलाई 2026 को सहपऊ थाना क्षेत्र के मानिकपुर रेलवे लाइन के पास करीब 48 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव मिला था। मृतक ने सफेद कुर्ता और काली पैंट पहन रखी थी। पुलिस ने शव को 72 घंटे तक शिनाख्त के लिए सुरक्षित रखा, लेकिन पहचान नहीं होने पर पोस्टमार्टम के बाद शव को लावारिस घोषित कर दिया।इसके बाद पुलिस के अनुरोध पर समाजसेवी सुनीत आर्य के नेतृत्व में

एडीएचआर की देखरेख में अज्ञात शव का विधिवत अंतिम संस्कार कराया गया। इस कार्य में एनएसएस अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने सहयोग किया।अंतिम संस्कार के दौरान एडीएचआर के राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण वार्ष्णेय, समाजसेवी सुनीत आर्य, एनएसएस अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, दीपक, बंटी भाई, सत्येंद्र मोहन राही, दीपांशु वार्ष्णेय, विशाल सोनी, पंछी वर्मा तथा पुलिस विभाग से कांस्टेबल वासु राणा एवं अंकित कुमार उपस्थित रहे।

देवशयनी एकादशी पर मोरवी धाम में भक्ति का सैलाब

मोर्निंग सिटी

कासगंज। देवशयनी एकादशी के पावन अवसर पर शनिवार को कासगंज कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लोहरा स्थित प्रसिद्ध मोरवी धाम में श्रद्धा, आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। मंदिर परिसर में भगवान खाटू श्याम बाबा का भव्य श्रृंगार कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर बाबा को आकर्षक छप्पन भोग अर्पित किया गया, जिसके दर्शन करने और प्रसाद ग्रहण करने के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

मंदिर परिसर हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा और जय श्री श्याम के जयघोष से देर तक गूंजता रहा। श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में मत्था टेककर परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ धार्मिक आयोजन में भाग लिया। भजन-कीर्तन और श्याम नाम संकीर्तन से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा।

मोरवी धाम के महंत दुष्यंत चैहान ने बताया कि उजियारे पक्ष की देवशयनी एकादशी पर बाबा श्याम का जन्मोत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया जाता है।

उन्होंने कहा कि जो भी श्रद्धालु सच्चे मन से बाबा श्याम के दरबार में आकर मोर छड़ी का झारा लगवाते हैं, उन पर बाबा की विशेष कृपा बरसती है। बाबा अपने भक्तों के सभी कष्टों को दूर कर उनकी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से धर्म, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलने का भी आह्वान किया। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने बाबा के दिव्य दर्शन कर छप्पन भोग का प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर समिति एवं सेवादारों ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बेहतर व्यवस्थाएं की थीं, जिससे दर्शन और प्रसाद वितरण का कार्य शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। पूरे दिन मोरवी धाम में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और क्षेत्र का वातावरण भक्ति एवं आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर दिखाई दिया। देवशयनी एकादशी पर आयोजित इस भव्य धार्मिक आयोजन ने श्रद्धालुओं की आस्था को और अधिक प्रगाढ़ कर दिया।

परीक्षा सुधार और छात्र आंदोलन की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर भीम आर्मी का प्रदर्शन

मोर्निंग सिटी

कासगंज/सहावर। परीक्षा एवं भर्ती व्यवस्था में सुधार तथा छात्र आंदोलन के दौरान हुई घटनाओं की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर भीम आर्मी ने सहावर में जोरदार प्रदर्शन किया। कस्बे के भीम नगर में संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में एकत्रित हुए। इसके बाद पूर्व जिलाध्यक्ष प्रेम बाबू के नेतृत्व में सभी कार्यकताओं ने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थल तक पैदल मार्च निकाला।

मार्च के उपरांत भीम आर्मी के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम सहावर शुशांत साँवरे को सौंपा। ज्ञापन में परीक्षा एवं भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने, छात्र आंदोलन के दौरान हुई घटनाओं की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराने तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की गई। संगठन ने जंतर-मंतर पर हुए धरना-प्रदर्शन के दौरान जान गंवाने वाले छात्रों के परिजनों को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता तथा घायलों को पाँच लाख रुपये मुआवजा दिए जाने की भी मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने छात्रों के हितों से जुड़े मुद्दों पर सरकार से शीघ्र कार्रवाई करने की मांग करते हुए नारेबाजी की। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष प्रेम बाबू ने कहा कि छात्रों के भविष्य से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और जरूरत पड़ने पर आंदोलन को और व्यापक बनाया।

राष्ट्रवादी नव निर्माण दल ने किया संगठन का विस्तार

मोर्निंग सिटी कासगंज। राष्ट्रवादी नव निर्माण दल ने जनपद में संगठन विस्तार किया है। श्रीराम कृष्ण मिश्रा जिला उपाध्यक्ष, सुजीत सिंह जिलाध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा, तरुण प्रकाश गुप्ता जिलाध्यक्ष व्यापार संघ, दीपू यादव जिलाध्यक्ष छात्र संघ, नरेंद्र शाक्य जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा बनाए गए हैं। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीकांत त्यागी ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से संगठन को मजबूत करने, जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने का आह्वान किया है। संगठन के कासगंज जिलाध्यक्ष शैलेंद्र मिश्रा ने भी सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी हैं। इस दौरान शिवम मिश्रा, संतोष कुमार मिश्रा, विमल कुमार मिश्रा, दीपांशु मिश्रा, शिवोम मिश्रा, मोहित मिश्रा, शुभोद मिश्रा, विकास तिवारी, आकाश बाजपेयी, महफूज अली, विकास चैहान, रामू यादव, मंजीश यादव, पुष्पेंद्र सोलंकी, रवि सोलंकी, मनजीत गुप्ता मौजूद रहे।

पुलिस ने गिरफ्तार किए पांच वारंटी

मोर्निंग सिटी कासगंज। जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस ने पांच वारंटी गिरफ्तार किए हैं। पुलिस ने अग्रिम कार्रवाई करते हुए वारंटियों को संबंधित न्यायालय में पेश किया है। एसपी ओमप्रकाश सिंह ने बताया कि थाना ढोलना पुलिस ने वारंटी राकेश निवासी इखौना, थाना गंजडुण्डवारा पुलिस ने वारंटी विशाल, नंदकिशोर उर्फ हिरदेश, सूरज, बादल निवासीगण जयधर को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई की है।

दुराचार के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी कासगंज। सोरों कोतवाली पुलिस ने किशोरी से दुराचार के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इंस्पेक्टर सोरों लोकेश भाटी ने बताया कि गत दिनों सोरों कोतवाली में पीडित ने किशोरी से दुराचार के मामले में गजेन्द्र सिंह समेत दो आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शनिवार को वांछित आरोपी गजेन्द्र सिंह पुत्र फतेह सिंह निवासी मनिकापुर सोरों को हसनपुर बाईपास के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया है।

दुकान खोलते समय युवक को आया हार्ट अटैक, अस्पताल में मृत घोषित

मोर्निंग सिटी कासगंज। अलीगढ़ जिले के थाना गंगीरी क्षेत्र के गांव नगला गुमानी निवासी सचिन (35) पुत्र वीरेंद्र की शनिवार सुबह हार्ट अटैक से मौत हो गई। परिजनों के अनुसार सचिन अपनी परचून की दुकान खोलने गया था। इसी दौरान अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई और वह मौके पर गिर पड़ा। आनन-फानन में परिजन उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल कासगंज लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। चिकित्सकों ने पोस्टमार्टम कराने की सलाह दी, लेकिन परिजनों ने इससे इनकार कर दिया। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए अपने गांव ले गए।

गंजडुंडवारा में दरकते मकानों का एसडीएम ने किया निरीक्षण

मोर्निंग सिटी कासगंज। गंजडुंडवारा कस्बे के मोहल्ला बरी थोक चैक में कई मकानों में पड़ रही गहरी दरारों के मामले में शनिवार को प्राासन सक्रिय नजर आया। एसडीएम मोहम्मद नासिर नगर पालिका परिषद के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे तथा प्रभावित मकानों का निरीक्षण कर पीड़ित परिवारों से बातचीत की। उन्होंने लोगों को हरसंभव प्राासनिक सहायता का भरोसा दिलाते हुए क्षतिग्रस्त भवनों से दूर रहने और एहतियात बरतने की अपील की। मोहल्ले में पिछले करीब एक सप्ताह से कई मकानों की दीवारों और छतों में गहरी दरारें पड़ने से दहशत का माहौल है। संभावित हादसे की आशंका के चलते कई परिवार अपने घर खाली कर सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं। शुक्रवार शाम नगर पालिका परिषद ने मुनादी कराकर लोगों को मकान खाली करने की सलाह दी थी और संकरी गली को अस्थायी रूप से बंद करा दिया था। ानिवार को निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने कहा कि तकनीकी जांच पूरी होने तक प्रभावित भवनों के आसपास अनावश्यक आवाजाही न की जाए।

सोरों गेट पर संभावित धरना-प्रदर्शन को लेकर पुलिस हाई अलर्ट

अधिकारियों ने सुरक्षा तैयारियों का लिया जायजा, जवानों को दिए आवश्यक निर्देश

मोर्निंग सिटी

कासगंज। संभावित धरना-प्रदर्शन को शांतिपूर्ण एवं कानून व्यवस्था के दायरे में संपन्न कराने के लिए जिला प्राासन और पुलिस पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में सोरों गेट चैकी पर एसडीएम सदर, क्षेत्राधिकारी सदर आंचल चैहान तथा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कासगंज जगदीश चंद्र राजपूत ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अधिकारियों ने पुलिस बल को ब्रीफ करते हुए कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी जवानों को सतर्कता, संयम और अनुशासन के साथ ड्यूटी करने तथा किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने के निर्देश दिए। साथ ही आमजन को असुविधा से बचाने के लिए यातायात व्यवस्था पर विशेष नजर रखने और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रखने के आदेश दिए गए। सीओ सदर आंचल चैहान ने प्रदर्शनकारियों के साथ शालीन व्यवहार करते हुए कानून का पालन सुनिश्चित कराने की बात कही। वहीं प्रभारी निरीक्षक जगदीश चंद्र राजपूत ने बैरिकेडिंग, भीड़ नियंत्रण और यातायात संचालन को लेकर पुलिसकर्मियों को आवश्यक जानकारी दी। अधिकारियों ने संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई कर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करने के निर्देश भी दिए। प्राासन की इन तैयारियों से जिले में शांति और सुरक्षा बनाए रखने की प्रतिबद्धता स्पष्ट दिखाई दी।

ददा पब्लिक स्कूल में छात्रसंघ चुनाव संपन्न, प्रियांशु बने अध्यक्ष

मोर्निंग सिटी

कासगंज। दददा पब्लिक स्कूल में स्टूडेंट एसोसिएशन का चुनाव लोकतांत्रिक माहौल में संपन्न हुआ। चुनाव अधिकारी कामिनी शर्मा की देखरेख में हुए मतदान में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अध्यक्ष पद पर कक्षा 8 के प्रियांशु माथुर ने 118 मत प्राप्त कर जीत हासिल की, जबकि कक्षा 6 के तोहिद खान 101 मतों के साथ महासचिव निर्वाचित हुए। चुनाव के बाद नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई, जिसमें अर्तिका, मेघा राजपूत, चेतन और कार्तिक बघेल को उपाध्यक्ष तथा आयुषी, पार्थ चैहान, राधिका यादव और सौर्य मिश्रा को सचिव बनाया गया। अंश यादव को कोषाध्यक्ष तथा अन्य विद्यार्थियों को कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया। कामिनी शर्मा ने कहा कि विद्यालय स्तर पर ऐसे चुनाव विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास करते हैं। विद्यालय परिवार ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देकर उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएँ दीं।

किलोनी रफातपुर चोरी कांड का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने नकदी व सोने के जेवर किए बरामद, आरोपियों को भेजा जेल

मोर्निंग सिटी

कासगंज। शहर कोतवाली पुलिस ने किलोनी रफातपुर गांव में गत माह हुई चोरी की वारदात का सफल खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की गई 40 हजार रुपये की नकदी, सोने के जेवर तथा अन्य सामान बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की गई है।

क्षेत्राधिकारी आंचल चैहान ने बताया कि 15 जून को किलोनी रफातपुर निवासी एक ग्रामीण ने अपने घर में चोरी होने की तहरीर दी थी, जिसके आधार पर शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान मिली सटीक सूचना पर प्रभारी निरीक्षक जगदीश चंद्र ने पुलिस टीम के साथ शनिवार तड़के करीब साढ़े चार बजे कल्यानपुर जाने वाले मार्ग से अवनीश, दीपू उर्फ यादराम निवासी बहेड़िया तथा शेर सिंह, सत्यवीर निवासी किलोनी रफातपुर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक प्लास्टिक बॉक्स बरामद किया, जिसमें सोने की चार चूड़ियां, एक गले का हार, एक जोड़ी कानों के झाले, एक सोने की चेन, चार अंगूठियां तथा 40 हजार रुपये नकद मिले। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि यह सामान किलोनी रफातपुर गांव में हुई चोरी की वारदात से संबंधित है। पुलिस ने बरामदगी के बाद आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश कर दिया।

देवशयनी एकादशी पर सोरों में निकली पंचकोसीय परिक्रमा, हजारों श्रद्धालुओं ने किया पुण्य लाभ

मोर्निंग सिटी

कासगंज। तीर्थ नगरी शूकर क्षेत्र धाम सोरों में शनिवार को देवशयनी एकादशी के अवसर पर पारंपरिक पंचकोसीय परिक्रमा श्रद्धा और आस्था के साथ संपन्न हुई। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हरपदी गंगा में स्नान कर भगवान श्री वराह का पूजन-अर्चन किया और हरपदी की परिक्रमा करने के बाद पंचकोसीय यात्रा में शामिल हुए। परिक्रमा मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए प्रसाद का वितरण भी किया गया।

ानिवार सुबह छह बजे ब्राह्मण कल्याण सभा के संस्थापक अध्यक्ष एवं शूकरक्षेत्र समाज सेवा समिति के संयोजक शरद कुमार पाण्डेय के संयोजन में हरि की पौड़ी स्थित भगवान श्री वराह मंदिर से परिक्रमा का शुभारंभ हुआ। कासगंज, एटा, बदायूँ, बरेली, फरुर्खाबाद, अलीगढ़, शाहजहाँपुर सहित प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

परिक्रमा वराह विश्राम घाट, वराह गौशाला, चक्रतीर्थ स्थित योगेश्वर महादेव मंदिर, सूर्यकुण्ड, दूधेश्वर महादेव मंदिर, सीताराम मंदिर, जया देवी भद्रकाली सिद्धपीठ, सतयुगकालीन गृद्धवट, आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित श्री यंत्र, ग्राम देवी मंदिर, गोस्वामी तुलसीदास जन्मस्थान मंदिर और 84 घंटे वाली मैया मंदिर होते हुए सेडू नगरा, बाछरू महाराज तथा सीता रसोई पहुंची। यहां रामदर्शन महेरे और नीरज तिवारी ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। ममता देवी भवन पर दीपक बड़गैयाँ तथा सिंग्नल वाले महाराज स्थल पर अशोक धमनावत और विजय तिवारी ने प्रसादी वितरण की व्यवस्था संभाली। इसके बाद श्रद्धालुओं ने भागीरथ गुफा, कपिल मुनि आश्रम, वनखंडेश्वर महादेव, करुआ देव महाराज और श्री चैतन्य महाप्रभु की बैठक के दर्शन किए तथा पुनः हरि की पौड़ी स्थित भगवान श्री वराह मंदिर पहुंचकर पंचकोसीय परिक्रमा पूर्ण की। इस अवसर पर संयोजक शरद कुमार पाण्डेय ने देवशयनी एकादशी के धार्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में शिवानंद उपाध्याय, अशोक कुमार पाण्डेय, शशांक दीक्षित, शैलेन्द्र तिवारी, हाकिम सिंह, विनोद दीक्षित, राजकुमार गौड़, सचिन गुप्ता, जितेंद्र कुमार हल्दिया, राहुल भारद्वाज, राधाकृष्ण विजय, गिरिजाशंकर पाठक, मोहन सिंह तौमर, लाखन सिंह सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

समाधान दिवस में आई पांच शिकायते, तीन का हुआ निस्तारित

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने सुनी फरियादियों की समस्या

मोर्निंग सिटी

कासगंज। अमांपुर कोतवाली परिसर में समाधान दिवस का आयोजन कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विकास सक्सेना की अध्यक्षता में किया गया। थाना समाधान दिवस में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विकास सक्सेना ने फरियादियों की समस्याएं सुनी। थाना समाधान दिवस में कुल 5 फरियादी समस्याओं को लेकर पहुंचे। जिनमें तीन लोगों की समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया। समस्याएं राजस्व से संबंधित रहीं। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने अधीनस्थों को शेष समस्याओं के निस्तारण के लिए निर्देश दिए। इस दौरान राजस्व निरीक्षक पंकज शर्मा, क्षेत्रीय लेखपाल रविकांत दीक्षित, लेखपाल सोमेन्द्र बाबू, लेखपाल दीपक भारद्वाज, लेखपाल रविकांत, लेखपाल नरेंद्र सिंह, लेखपाल नवरत्न सिंह, लेखपाल पंकज सक्सेना, लेखपाल प्रियांशी, नरेश पाल, सचिन कुमार, राहुल कुमार, कस्बा इंचार्ज राकेश यादव, एसआई जगदीश सिंह, एसआई लक्ष्मण सिंह, एसआई मनोज यादव, एसआई कर्मवीर सिंह, एसआई परमेवर सिंह, उदयवीर सिंह, संजीव कुमार, विजय कुमार, कुलदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

जर्जर विद्यालय की छत का प्लास्टर गिरा, पांच छात्र-छात्राएं घायल

मोर्निंग सिटी

कासगंज। सोरों ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम भीलोर स्थित परिषदीय विद्यालय में शनिवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया। कक्षा में पढ़ाई के दौरान विद्यालय भवन की जर्जर छत से कंक्रीटयुक्त प्लास्टर की परत अचानक टूटकर बच्चों के ऊपर गिर गई। हादसे में पांच छात्र-छात्राएं घायल हो गए। सभी को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सोरों ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद एक छात्र को गंभीर चोट के चलते जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

घटना शनिवार दोपहर करीब 12 बजे की बताई जा रही है। ग्राम पंचायत कादरवाड़ी के गांव भीलोर स्थित विद्यालय में नियमित शिक्षण कार्य चल रहा था। इसी दौरान छत का प्लास्टर भरभराकर नीचे आ गिरा, जिससे कक्षा में बैठे बच्चों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही प्रधानाध्यापक और अन्य शिक्षकों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घायलों में छात्रा शैयल पुत्री अवधेश कुमार, रोशनी पुत्री मुकेश कुमार, खुशी पुत्री लखन तथा छात्र रिजवान पुत्र इरशाद और रेहान पुत्र इमरान शामिल हैं। मौके पर डायल-112 पुलिस, स्थानीय चैकी प्रभारी और क्षेत्रीय लेखपाल ने पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। शिक्षकों के अनुसार विद्यालय भवन काफी जर्जर है। लगातार हो रही बारिश के कारण छत पर पानी भर गया था, जिससे प्लास्टर कमजोर होकर अचानक गिर गया। घटना के बाद विद्यालय भवन की सुरक्षा व्यवस्था और मरम्मत को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों ने जर्जर भवन की शीघ्र मरम्मत कराकर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

सावन कांवड़ यात्रा की तैयारियों का जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने लिया जायजा, लहरा घाट का किया स्थलीय निरीक्षण

मोर्निंग सिटी

कासगंज। आगामी सावन मास में आयोजित होने वाली कांवड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी प्रणय सिंह एवं पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने ानिवार को लहरा घाट का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा से जुड़े सभी आवश्यक प्रबंध समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने घाट परिसर में स्थापित हैंडपंप को स्वयं चलाकर उसकी कार्यशीलता का परीक्षण किया तथा अधिशासी अधिकारी को हैंडपंप के आसपास नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि घाट परिसर में किसी भी प्रकार की गंदगी अथवा फिसलन नहीं होनी चाहिए, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। आवश्यकतानुसार समुचित सफाई एवं समतलीकरण कार्य कराने के भी निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने सोरों से लहरा घाट तक संपर्क मार्ग को दुरुस्त कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए, ताकि कांवड़ यात्रियों का आवागमन सुगम एवं सुरक्षित बना रहे। साथ ही उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि लहरा घाट क्षेत्र में आवारा पशुओं का प्रवेश किसी भी स्थिति में न होने पाए। निरीक्षण के दौरान लगाए गए वॉच टॉवर की भी जांच कर उसकी उपयोगिता एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने लहरा घाट पहुंचे कांवड़ यात्रियों से संवाद कर उनका हालचाल जाना तथा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी भी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा के दौरान पेयजल, स्वच्छता, सुरक्षा, यातायात एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की जाये। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी वीरेन्द्र सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी, अधिशासी अधिकारी सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय लोधी अधिकारी कर्मचारी संघ आलोक की बैठक सम्पंन

मोर्निंग सिटी

कासगंज। अखिल भारतीय लोधी अधिकारी कर्मचारी संघ आलोक की बैठक शहर के नदरई गेट रेलवे कॉलोनी स्थित संगठन के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष गिरीश पाल सिंह वर्मा की अध्यक्षता में हुई। संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री विजय राजपूत ने गिरीश पाल सिंह को कासगंज जनपद का कार्यवाहक जिलाध्यक्ष पद का मनोनयन पत्र भेंट किया। पदोन्नति कर्मचारियों को पटका फूलमाला पहनाकर और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय महामंत्री विजय राजपूत ने कहा कि पद, दायित्व, स्थान बदल सकते हैं लेकिन सेवा भाव, व्यवहार, आचरण, संगठन के प्रति समर्पित विचार कभी नहीं बदलने चाहिए। जिला प्रभारी दिनेश वर्मा ने कहा कि पदोन्नति के बाद आप सदैव अपने आचरण और व्यवहार को जनहित के प्रति समर्पित की भावना से रखें। जयप्रकाश वर्मा ने कहा कि संगठन में बैठकर सीखने आगे बढ़ने और कुशल नेतृत्व की सीख मिलती है। इस दौरान कमलकांत, मानपाल सिंह लोधी, हरेंद्र राजपूत, जितेंद्र लोधी, कमलेश लोधी, सुशील राजपूत, जयप्रकाश राजपूत, रोशन लाल वर्मा, रूप किशोर वर्मा, जितेंद्र कुमार, ब्रह्मानंद वर्मा, आशु वर्मा, राकेश वर्मा, दीपक वर्मा, पंकज वर्मा, मुकेश वर्मा, राजवीर सिंह, राजवती, राजकुमारी, मनीष राजपूत, गिरीश चंद्र, बॉबी राजपूत मौजूद रहे।

नव नियुक्त ड्रग इंस्पेक्टर मोहित कुमार (दीप) का केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने किया स्वागत

मोर्निंग सिटी

कासगंज। केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन, जनपद कासगंज द्वारा नव नियुक्त औषधि निरीक्षक (ड्रग इंस्पेक्टर) मोहित कुमार (दीप) के कासगंज में पदभार ग्रहण करने के उपलक्ष्य में होटल फोर लीफ में स्वागत एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमोद कुमार वार्ष्णेय (लक्ष्मी मेडिकल) ने की।

समारोह में एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार शर्मा, महामंत्री सौरभ वार्ष्णेय, उपाध्यक्ष अशोक डांगरा, कोषाध्यक्ष अकील अहमद सहित जनपद के अनेक दवा व्यापारियों और प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस दौरान एसोसिएशन की ओर से मोहित कुमार (दीप) का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी गईं। पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में जनपद में औषधि प्राासन और अधिक सुदृढ़ होगा तथा गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित दवाओं की उपलब्धता के साथ नियमों का प्रभावी पालन सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि पारदर्शी कार्यशैली से दवा व्यापारियों और प्राासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा। एसोसिएशन ने औषधि प्राासन को हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिलाते हुए कहा कि जनपद के सभी दवा व्यापारी नियमों के अनुपालन, नैतिक व्यापारिक मूल्यों तथा जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के प्रति सदैव प्रतिबद्ध रहेंगे।

सट्टे की खाईबाडी करने वाले अभियुक्त को मोबाइल, सट्टा पर्चियां व नगदी सहित गिरफ्तार किया गया '

मोर्निंग सिटी

राजपुर (कानपुर देहात) जनपद में अपराध/आपराधिक गतिविधियों एवं जुआ/सट्टे के रोकथाम हेतु व अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में शनिवार को थाना राजपुर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर सट्टे की खाईबाडी करने वाले एक आरोपी अभियुक्त वसीम खाँ पुत्र नसीर खाँ निवासी कस्बा राजपुर थाना राजपुर जनपद कानपुर देहात उम्र करीब 32 बर्ष को सलेमपुर बम्बे के पास से गिरफ्तार किया गया। आरोपी अभियुक्त वसीम खाँ उपरोक्त की जामा तलाशी से पहने पैंट की दाहिनी जेब से 01 एंड्रॉयड मोबाइल फोन वीवो व दाहिने हाथ में पकड़ी हुई हस्तलिखित सट्टा पर्चियां (मटका सट्टा के अंकों व रुपयों के हिसाब-किताब युक्त) एवं पहने पैंट की दाहिनी पिछली जेब से 2700 रुपए नकद बरामद हुआ ' जो सट्टे की खाईवाड़ी से अर्जित रकम है, बरामद हुईं। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना राजपुर पर मु0अ0सं0 085/2026 धारा 13 उत?तर प्रदेश सार्वजनिक द्यूत अधिनियम 1867 व धारा 112(2) बीएनएस बनाम 1. वसीम खाँ पुत्र नसीर खाँ, 2. राहुल पुत्र रामजी पोरवाल निवासीगण कस्बा राजपुर थाना राजपुर जनपद कानपुर देहात पंजीकृत किया गया। अभियुक्त राहुल उपरोक्त की गिरफ्तारी के सार्थक प्रयास किये जा रहे है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जा रही है।

वहीं गहन पूछताछ करने पर बताया कि साहब मैं विगत कई महिनों से अवैध रुप से मटका सट्टे की खाईवाडी करता हूँ मेरे पास बहुत लोग सट्टा लगाते हैं जो पैसा नगद व फोन पे के माध्यम से देते है तथा अपना सट्टा का अंक व्हाइटअप पर भेजते है या पर्ची पर लिखकर दे जाते है। मैं यह काम अपने वीवो मोबाइल के जरिये राहुल पुत्र रामजी पोरवाल निवासी कस्बा व थाना राजपुर के माध्यम से करता हूँ जिसका मोबाइल मेरे मोबाइल में सट्टा के नाम से सेव है, राहुल सट्टे के लेन-देन के लिए कभी ऑनलाइन भुगतान लेता है तो कभी नगद लेता है, मुझे राहुल 100 रुपए के सट्टे पर 5 रुपये कमीशन और राहुल सट्टे का जो पैसा लेता व देता है जिसका हिसाब मैं अपने फोन से राहुल के फोन पर व्हाइटअप से माध्यम से देता हूँ जिसकी चैट व स्क्रीनशाट मेरे फोन में मौजूद है साहब गलती हो गयी है।

राज्यमंत्री ने नवनियुक्त मुख्य सेविकाओं एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्टफोन व उपकरण वितरित किये '

मोर्निंग सिटी

माती (कानपुर देहात) महिला एवं बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा आंगनबाड़ी सेवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से आज विकास खंड सभागार, अकबरपुर में स्मार्टफोन एवं अन्य उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।राज्य परियोजना निदेशक, पोषण अभियान, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में जनपद को प्राप्त 139 स्मार्टफोनों का सत्यापन उपरांत वितरण किया गया। कार्यक्रम में माननीय राज्यमंत्री महिला एवं बाल विकास एवं पुष्टाहार, उत्तर प्रदेश श्रीमती प्रतिभा शुक्ला द्वारा नवनियुक्त मुख्य सेविकाओं एवं नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्टफोन प्रदान किए गए' इसके अतिरिक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बच्चों की वृद्धि एवं विकास की नियमित निगरानी हेतु 84 स्टेडियोमीटर तथा 1504 इनफेंटोमीटर एवं वजन मशीनों का भी वितरण किया गया। इन उपकरणों के माध्यम से बच्चों की लंबाई, वजन एवं पोषण स्तर का अधिक सटीक आकलन किया जा सकेगा, जिससे कुपोषण की रोकथाम एवं पोषण सेवाओं के सुदृढ़ीकरण में सहायता मिलेगी।इस अवसर पर माननीय राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि प्रदेश सरकार मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण तथा बाल विकास के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। स्मार्टफोन एवं आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता से आंगनबाड़ी सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ेगी तथा लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सकेगा।कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित जनपद के समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी, मुख्य सेविकाएं एवं बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान विभागीय योजनाओं के प्रभावी संचालन तथा पोषण अभियान के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने पर भी बल दिया गया।

रिक्रूट आरक्षी नें रक्तदान कर बचाई जान, लोगों नें की प्रशंसा

मोर्निंग सिटी

सिकंदरा (कानपुर देहात) थाना सिकंदरा में नियुक्त रिक्रूट आरक्षी सुनील कुमार 2025 बैच द्वारा एक अत्यंत सराहनीय कार्य किया गया है। वह नियमित रूप से रक्तदान करने वाला व्यक्ति है और उसका ब्लड ग्रुप ए नेगेटिव है जो बहुत ही रेयर है। वह पूर्व में भी जिला अस्पताल माती, कानपुर देहात में रक्तदान कर चुका है, इसलिए वहां पर उक्त आरक्षी का डाटा उपलब्ध था। शुक्रवार को सुबह जिला अस्पताल से डॉक्टर की कॉल आई कि एक मरीज की स्थिति बहुत ही क्रिटिकल है और उसे ए नेगेटिव ब्लड ग्रुप की नितांत आवश्यकता है। यह ब्लड ग्रुप कहीं उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। तब उपरोक्त आरक्षी ने तत्काल ही रक्तदान करने की सहर्ष स्वीकृति दे दी और वरिष्ठ अधिकारीगण से अनुमति प्राप्त कर जिला अस्पताल जाकर रक्तदान किया और मानवता की सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी सौरभ वर्मा व थाना प्रभारी जनार्दन प्रताप सिंह नें रिक्रूट आरक्षी सुनील कुमार की भूरि भूरि प्रशंसा की '

नाबालिगा को बहला-फुसला कर ले जाने व उसके साथ दुष्कर्म की घटना कारित करने वाले वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी

रसूलाबाद (कानपुर देहात) जनपद कानपुर देहात में महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में, दिनांक 12 जून को वादी द्वारा थाना रसूलाबाद पर तहरीर दी गयी कि उसकी नाबालिक पुत्री को प्रदीप उर्फ कल्लू यादव पुत्र कोमल सिंह निवासी ग्राम कुडरी, थाना सहायल, जनपद औरैया, बहला फुसलाकर ले गया है, जिसके संबंध में थाना रसूलाबाद पर मु0अ0सं0 225/2026 धारा 137(2) बीएनएस बनाम प्रदीप उर्फ कल्लू यादव उपरोक्त पंजीकृत किया गया। विवेचना के क्रम में साक्ष्य संकलन के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 65(1)/87 बीएनएस व 3/4(2) पॉक्सो एक्ट की बढोत्तरी की गयी। जिसमें थाना रसूलाबाद पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए अभियुक्त प्रदीप उर्फ कल्लू यादव उपरोक्त को शुक्रवार को कठारा मोड़ थाना क्षेत्र रसूलाबाद जनपद कानपुर देहात से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त को नियमानुसार माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

उर्वरक एवं बीज प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण, अनियमितता पर नोटिस जारी

मोर्निंग सिटी

भोगनीपुर (कानपुर देहात) जनपद में कृषकों को निर्धारित मूल्य पर गुणवत्तायुक्त कृषि निवेश उपलब्ध कराने तथा उर्वरक एवं बीज वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला कृषि अधिकारी सुश्री प्राची पांडे द्वारा तहसील भोगनीपुर एवं तहसील मालसा क्षेत्र के विभिन्न उर्वरक एवं बीज प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि वे अपने प्रतिष्ठानों पर फर्म बोर्ड, स्टॉक एवं रेट बोर्ड अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करें तथा स्टॉक एवं वितरण रजिस्टर अद्यतन रखें। साथ ही उर्वरकों का वितरण पॉस मशीन के माध्यम से आधार एवं खतौनी के अनुसार ही किया जाए तथा शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप एक हेक्टेयर पर अधिकतम 7 बोरी यूरिया एवं 5 बोरी डीएपी का वितरण सुनिश्चित किया जाए। सभी प्रतिष्ठानों को लाइसेंस की प्रति प्रतिष्ठान पर प्रदर्शित करने के भी निर्देश दिए गए।जिला कृषि अधिकारी ने स्पष्ट किया कि सभी उर्वरक एवं बीज प्रतिष्ठानों का संचालन उर्वरक नियंत्रण आदेश-1985, आवश्यक वस्तु अधिनियम-1955 एवं बीज अधिनियम-1983 के प्रावधानों के अनुरूप किया जाना अनिवार्य है।निरीक्षण के दौरान बी-पैक्स कलाई मालसा, बी-पैक्स पुखरायां, किसान बीज भंडार भोगनीपुर, सिंह ट्रेडर्स तथा पटेल ट्रेडर्स शाहजहांपुर से उर्वरक एवं बीज के नमूने परीक्षण हेतु संग्रहित किए गए। वहीं अवधेश बीज भंडार भोगनीपुर एवं मनु ट्रेडर्स में अनियमितताएं पाए जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया '

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात प्रबंधन को लेकर जिला सड़क सुरक्षा समिति की हुई बैठक

मोर्निंग सिटी

माती (कानपुर देहात) सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा यातायात व्यवस्था को और अधिक सुरक्षित एवं सुचारु बनाने के उद्देश्य से जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक जिलाधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट कपिल सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जनपद में सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए दुर्घटना संभावित स्थलों (ब्लैक स्पॉट्स) पर आवश्यक सुधारात्मक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों को यातायात प्रबंधन को प्रभावी बनाने, सड़क किनारे एवं मार्गों पर अवरोधों को हटाने, यातायात नियमों के प्रति जनजागरूकता अभियान चलाने तथा सुरक्षा संकेतकों एवं चेतावनी बोर्डों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें आमजन की सहभागिता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर सड़क सुरक्षा संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए, जिससे लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। बैठक में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं, दुर्घटना की स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों तथा एम्बुलेंस सेवाओं की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को समन्वय स्थापित करते हुए आपातकालीन सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। आगामी कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग, पुलिस विभाग, परिवहन विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को संयुक्त रूप से कांवड़ मार्गों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा मार्गों पर आवश्यक सुरक्षा प्रबंध, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, संकेतक बोर्ड एवं यातायात प्रबंधन की समुचित व्यवस्था समय रहते सुनिश्चित की जाए, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा या दुर्घटना की स्थिति उत्पन्न न हो। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अमित कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 जय गोविंद, बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष, क्षेत्राधिकारी यातायात, परिवहन विभाग के अधिकारी, अधिशासी अभियंता विद्युत, पीडब्लूडी विभाग के अधिकारी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मोर्निंग सिटी

राजपुर (कानपुर देहात) राजपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दोपहर के बाद डॉक्टर नदारत मिले वही एक्सीडेंटल मरीज काफी देर तक दर्द से तड़पता रहा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कार्रवाई करने में बौना साबित हो रहे है शुक्रवार को दोपहर के बाद मदियापुर टावर के पास भोगनीपुर सिकंदरा मुगल रोड पर सिकंदरा से सुशील कुमार लोडर में बिस्किट लादकर शाहजहांपुर कस्बा में जा रहे थे तभी शाहजहापुर की तरफ से आ रहे कंटेनर के चालक ने मुगल रोड में बुरी तरीके से लहरा दिया जिससे पीछे बैठे गोपाल अवस्थी पुत्र जगदीश अवस्थी 45 वर्ष सिकंदरा राजेंद्र नगर लोडर से उछलकर रोड में गिर गए जिससे बुरी तरीके से युवक घायल हो गया वही लोडर चालक सहित आनन फानन मे राजपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 2:20 पर पहुंच गए जहां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डाक्टर व अन्य कर्मचारी अपने-अपने कमरे में आराम फरमाते नजर आए जबकि घायल युवक अस्पताल के भीतर करीब आधा घंटा तड़पता रहा लेकिन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के दरवाजे में ताला जकडा रहा काफी देर के बाद इमरजेसी डॉक्टर नहीं पहुंचे लेकिन अन्य कर्मचारियों ने पहुंच कर ट्रीटमेंट करने के बाद घायल को जिला अस्पताल रेफर किया जबकि राजपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के दिन में यह हालाते है तो रात में इमरजेंसी मरीज की क्या हालत होती होगी शायद यह किसी ने नहीं सोचा होगा सूत्रों ने बताया कि 2बजे के बाद इमरजेसी डॉक्टर व अन्य कर्मचारी अपने-अपने कमरे में आराम फरमाते हैं जबकि रात के अंधेरे में राजपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर और लपरवाहे हो जाते हैं जहां मरीज तड़पते रहते है और तीमारदार डॉक्टरों के रूम में लगे गेट को बजाते रहते हैं जिससे क्षेत्र के लोगों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है जबकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों पर कड़ी नजर रखने के बाद भी राजपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारी उनके आदेशों की सरे आम धज्जियाँ उड़ा रहे हैं जबकि घायल युवक के तीमारदार सुशील कुमार ने बताया कि करीब 2 :20 पर अस्पताल आ गए थे लेकिन इमरजेंसी डॉक्टर व कर्मचारी अस्पताल में नहीं नजर आए काफी देर तक घायल युवक तड़पता रहा इसके बाद तीमारदार ने इमरजेंसी कर्मचारियों के कमरे में पहुंचकर दरवाजा खटखटाना शुरू कर दिया तब कर्मचारियों ने पहुंचकर घायल युवक का इलाज किया जिससे साफ साबित हो रहा है की राजपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर कर्मचारियों की लापरवाही नजर आ रही है

प्रबुद्ध सम्मेलन मे पहुंचे बलिया सांसद नें एकजुटता का आवाहन कर बीजेपी पर बोला हमला

मोर्निंग सिटी

सिकंदरा (कानपुर देहात) शनिवार को तहसील सिकंदरा क्षेत्र के कसोलर गांव में प्रबुद्ध समाज सम्मेलन संजय शुक्ला के नेतृत्व में आयोजित हुआ। सम्मेलन में पहुंचे बलिया के सांसद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सनातन पांडेय का कार्यक्रम आयोजक संजय शुक्ला ने भारी भरकम माला पहनाकर फरसा भेटकर स्वागत सम्मान किया। बलिया सांसद सनातन पांडे ने उपस्थित लोगो से कहा कि ब्राह्मण समाज का सबसे अधिक उत्पीड़न भाजपा कार्यकाल में हुआ है। ब्राह्मणों का सम्मान और हित समाजवादी पार्टी में सुरक्षित है। सपा छोटे लोहिया स्व. जनेश्वर मिश्र के आदर्शों और सिद्धांतों पर चलने वाली पार्टी है। उन्होंने समाज से अपने अधिकारों और ताकत के प्रति जागरूक होने तथा एकजुट होकर सरकार को सत्ता से बाहर करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से ब्राह्मण समाज के नेताओं ने जनता के अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष किया है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भगवान राम मंदिर में चंदे से जुड़े कथित अनियमितताओं के मुद्दे को उठाकर देश का ध्यान आकर्षित किया है और वह निडर नेता हैं। कार्यक्रम का संचालन पवन कटियार ने किया।

इस मौके पर प्रदेश सचिव आशीष चौबे, जिलाध्यक्ष अरूण यादव उर्फ बबलू राजा, संजय शुक्ला, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी लालजी शुक्ला, पूर्व विधायक मिथलेश कटियार, विधानसभा प्रभारी मान सिंह, तुलाराम कोरी, अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिव शेखू खान, संतोष त्रिपाठी, लाखन सिंह यादव, राशिद खान, हर्ष त्रिवेदी,अनंत शुक्ला, बिल्लू यादव, बलराम सिंह, नौशाद खान, मनोज यादव समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

त्यौहारों के दृष्टिगत पुलिस अलर्ट,एसपी ने भारी पुलिस बल के साथ किया पैदल गश्त

मोर्निंग सिटी

अकबरपुर (कानपुर देहात) शनिवार को पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय द्वारा आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना जागृत करने के उद्देश्य से थाना अकबरपुर क्षेत्रान्तर्गत कस्बा अकबरपुर में भारी पुलिस बल के साथ पैदल गश्त/फ्लैग मार्च किया गया। इस पैदल गश्त के दौरान क्षेत्राधिकारी अकबरपुर सहित पर्याप्त संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। गश्त के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदया द्वारा प्रमुख मार्गों, बाजारों, भीड़भाड़ वाले स्थानों तथा संवेदनशील इलाकों का जायजा लिया गया एवं दुकानदारों व आम नागरिकों से वार्ता कर सुरक्षा व्यवस्था का अहसास कराया गया। साथ ही, संबंधित अधिकारियों एवं थाना पुलिस को त्यौहारों के दौरान सतर्क दृष्टि बनाए रखने, संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की सघन चेकिंग करने तथा शांति एवं कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कठोर विधिक कार्यवाही करने के कड़े निर्देश दिए गए।

कानपुर देहात पुलिस की अपील-जनपदवासी आगामी त्यौहारों को आपसी भाईचारे, शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं। किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें एवं किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस या आपातकालीन सेवा 112 पर दें।

घर मे महिला को अकेला पाकर गला रेता,पुलिस जाँच मे जुटी

मोर्निंग सिटी

पुखरायां (कानपुर देहात) कानपुर देहात में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के गिरदो में शनिवार शाम घर में अकेली महिला की गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी गई।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से सुबूत जुटाए। मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों ने एक महिला समेत चार पर हत्या के आरोप लगाए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है

मृतका की पहचान गिरदो निवासी पंकज की 32 वर्षीय पत्नी प्रियंका के रूप में हुई है। शनिवार शाम करीब चार बजे प्रियंका अपने ही घर में मृत अवस्था में मिलीं। परिजनों के मुताबिक घटना के समय प्रियंका घर में अकेली थीं। उनके पति और बच्चे घर से बाहर गए हुए थे।मृतका की सास सीमा देवी के मुताबिक वह शाम करीब चार बजे नलकूप से लौटीं। घर पहुंचने पर उन्होंने प्रियंका का लहूलुहान शव देखा।उनका गला किसी धारदार औजार से रेता गया था। घटनास्थल से पुलिस को एक कुल्हाड़ी भी मिली है। जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।घटना की सूचना मिलते ही थाना भोगनीपुर पुलिस और फोरेंसिक टीम तत्काल मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया।जिसके बाद शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मृतका के परिजनों ने एक महिला समेत चार लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पुरानी रंजिश को लेकर इस घटना को अंजाम दिया गया है।पुलिस मामले की गहनता से छानबीन कर रही है। पुलिस क्षेत्राधिकारी राजीव सिरोही ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर और घटनास्थल पर मिले साक्ष्यों के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।पुलिस घटना के हर पहलू पर जांच कर रही है।

आगरा को 342 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया शिलान्यास-लोकार्पण

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दो दिवसीय आगरा दौरे के दौरान शनिवार को फतेहाबाद रोड स्थित टाटा ग्राउंड में आयोजित जनसभा में ?342.36 करोड़ की लागत से 53 विकास एवं जनकल्याणकारी परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

इस दौरान उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक, टैबलेट, टूलकिट, आवास की चाबियां और अन्य सहायता सामग्री भी वितरित की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल, प्रभारी मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, महिला कल्याण मंत्री बेबी रानी मौर्य, राज्यमंत्री धर्मवीर प्रजापति, राज्यसभा सांसद नवीन जैन, सांसद राजकुमार चाहर, महापौर हेमलता दिवाकर कुशवाह सहित जनप्रतिनिधियों ने भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य, नगर विकास, स्मार्ट सिटी, एडीए, कृषि, उद्योग, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास समेत विभिन्न विभागों की प्रदर्शनियों और स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने छोटे बच्चों का अन्नप्राशन कराया, गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की तथा उन्हें सुपोषण पोटली भेंट कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार के प्रयासों से आगरा स्मार्ट सिटी के साथ-साथ सेफ सिटी के रूप में भी तेजी से विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि शहर में आधारभूत संरचना, पर्यटन, उद्योग और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हो रहे हैं और आगरा को निवेश एवं औद्योगिक विकास का प्रमुख केंद्र बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की स्मृति में आगरा में 500 महिलाओं के लिए श्रमजीवी छात्रावास का निर्माण किया जाएगा, जिसकी स्वीकृति केंद्र सरकार से मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि आगरा में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर, छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय, सींगना में अंतरराष्ट्रीय आलू अनुसंधान केंद्र तथा बटेश्वर, कैलाश मंदिर, गुरु का ताल, फतेहपुर सीकरी और अन्य धार्मिक स्थलों के विकास पर भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) और ओडीओसी (वन डिस्ट्रिक्ट वन क्राफ्ट) जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिला रही है। उन्होंने आगरा के प्रसिद्ध पेठा उद्योग को भी नई पहचान दिलाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

मुख्यमंत्री से मिलने जा रहे सपा नेता नितिन कोहली हाउस अरेस्ट, कार्यकर्ताओं में रोष

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगरा दौरे के दौरान समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव नितिन कोहली को पुलिस ने उनके कमला नगर स्थित आवास पर हाउस अरेस्ट कर लिया। नितिन कोहली का कहना था कि वह जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर जनता की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराना चाहते थे। जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारी उनके आवास पर पहुंचे और उन्हें बाहर जाने से रोक दिया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता उनके घर पहुंच गए और पुलिस कार्रवाई पर नाराजगी जताई। कार्यकताओं ने सरकार पर जनता की आवाज दबाने का आरोप लगाया। नितिन कोहली ने बताया कि प्रस्तावित ज्ञापन में होटल एवं रेस्टोरेंट उद्योग के लिए लाइसेंस प्रक्रिया का सरलीकरण, जूता एवं पेठा उद्योग को सुविधाएं, यमुना नदी पर बैराज निर्माण, आगरा में इंटरनेशनल एयरपोर्ट और इंटरनेशनल स्टेडियम की स्थापना तथा आईटी सेक्टर विकसित करने जैसी मांगें शामिल थीं। उनका कहना था कि इन योजनाओं से युवाओं को रोजगार मिलेगा और उन्हें रोजगार के लिए दूसरे शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

सपा नेता ने आरोप लगाया कि सरकार जनता की समस्याओं को सुनने के बजाय उनकी आवाज दबाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी और जनसमस्याएं बढ़ रही हैं, लेकिन सरकार समाधान की बजाय विरोध की आवाज को रोक रही है। उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में जनता इसका जवाब देगी। इस दौरान अंकित कक्कड़, ऋषभ प्रताप सिंह, राहुल शाक्य, मुकेश केवट, राजीव पोद्दार, हुनर गौतम, भूपेंद्र सिंह, उमेश कुमार, सौरभ शाक्य सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीपी होटल में पति-पत्नी का हाई वोल्टेज ड्रामा, वीडियो वायरल; होटल संचालन पर भी उठे गंभीर सवाल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र के शाहदरा चौकी अंतर्गत स्थित डीपी होटल में पति-पत्नी के बीच हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना के बाद पूरे इलाके में चर्चा का माहौल है। पीड़ित पति ने अपनी पत्नी पर अवैध संबंधों के गंभीर आरोप लगाए हैं। साथ ही उसने अपनी जान-माल को खतरा बताते हुए पुलिस से सुरक्षा की मांग की है। पति का आरोप है कि उसके दोस्त आरिफ ने उसके साथ विश्वासघात किया और उसकी पत्नी पिछले तीन महीनों से मायके में रह रही है। पीड़ित का कहना है कि उसने शाहदरा चौकी पुलिस से कई दिन पहले सुरक्षा और कार्रवाई की गुहार लगाई थी, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इसके चलते उसने पुलिस प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। इस घटना के बाद क्षेत्र में संचालित हो रहे होटलों की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में आ गई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कुछ होटलों में बिना उचित पहचान पत्र (आईडी) और रजिस्टर में एंट्री किए ही कमरे उपलब्ध करा दिए जाते हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। वायरल वीडियो और लगाए गए आरोपों की सत्यता की भी जांच की जा रही है। जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आगरा में विश्व हिन्दू परिषद् की दो दिवसीय प्रांत कार्ययोजना बैठक का शुभारंभ, प्रदेशभर से जुटे 300 कार्यकर्ता

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। विश्व हिन्दू परिषद् (विहिप) की दो दिवसीय प्रांत कार्ययोजना बैठक का शनिवार, 25 जुलाई को डॉ. एमपीएस स्कूल में विधिवत शुभारंभ हुआ। यह महत्वपूर्ण बैठक वर्ष में दो बार आयोजित की जाती है और इस बार इसकी मेजबानी आगरा कर रहा है। बैठक में पूरे प्रांत से लगभग 300 कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय मंत्री दिनेश उपाध्याय, क्षेत्रीय संगठन मंत्री मुकेश जी, डॉ. ए.के. सिंह, प्रांत अध्यक्ष कन्हैया लाल अग्रवाल, प्रांत मंत्री अनुज , सुनील परासर एवं राजेश जी ने दीप प्रज्वलित कर किया। बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों, कार्य विस्तार, सेवा गतिविधियों और विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। संगठन के पदाधिकारियों ने कार्यकताओं का मार्गदर्शन करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से राकेश त्यागी, अभय सिंह, दिग्विजय नाथ तिवारी, नवल, राहुल जोशी, सुशील, मुकेश शुक्ला, करण गर्ग, शुभम दुबे, अनुज, रीना शर्मा, राजलक्ष्मी एवं हिमानी चतुर्वेदी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देहरादून से आगरा तक नकली दवाओं का नेटवर्क बेनकाब! नामी कंपनियों के नाम पर फर्जी दवाओं की सप्लाई का आरोप

मोर्निंग सिटी संवाददाता

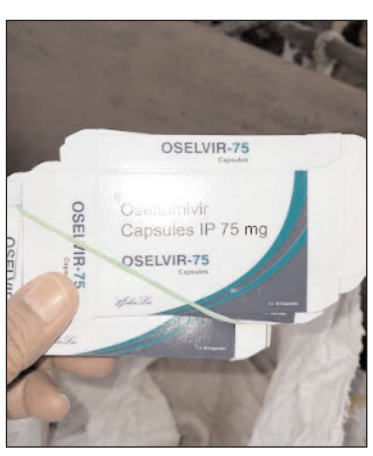

आगरा। नकली दवाओं के कारोबार के खिलाफ चल रही जांच के दौरान एक बड़ा खुलासा सामने आया है। आगरा और मेरठ की संयुक्त टीम ने उत्तराखंड के देहरादून स्थित एक कथित स्प्यूरियस (नकली) दवा फैक्ट्री पर छापेमारी कर भारी मात्रा में दवा निर्माण सामग्री, पैकेजिंग सामग्री और उपकरण बरामद किए हैं। प्रारंभिक जांच में देहरादून से आगरा के फव्वारा दवा बाजार तक ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर कथित नकली दवाओं की सप्लाई किए जाने की आशंका जताई गई है। संयुक्त टीम ने देहरादून के देवीपुर, न्यू हाईवे रोड, परवाल क्षेत्र में संचालित फैक्ट्री पर कार्रवाई की। जांच एजेंसियों के अनुसार फैक्ट्री में देश की कई प्रतिष्ठित दवा कंपनियों के नाम का इस्तेमाल कर कथित रूप से नकली दवाओं का निर्माण किया जा रहा था। बरामद सामग्री की जांच की जा रही है और साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। प्रारंभिक जांच में Cipla, Lupin, Dr. Reddy's, Elder, Micro, Mankind, Intas, Abbott, Sun Pharma, Aristo, Macleods और Zydus जैसी कंपनियों के नाम पर कथित नकली दवाएं तैयार किए जाने के आरोप सामने आए हैं। अधिकारियों का कहना है कि मामले की वैज्ञानिक और तकनीकी जांच जारी है। जांच एजेंसियां अब इस पूरे अंतरराज्यीय नेटवर्क की पड़ताल कर रही हैं। यह पता लगाया जा रहा है कि नकली दवाओं की सप्लाई किन-किन राज्यों और बाजारों तक की गई तथा इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

छात्र आंदोलन के समर्थन में आगरा से दिल्ली कूच! सपा युवाओं का जत्था आज सुबह 9 बजे होगा रवाना

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। समाजवादी पार्टी के युवाओं का एक जत्था आज सुबह 9 बजे आगरा से दिल्ली के लिए रवाना होगा। यह जत्था जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन में शामिल होकर आंदोलनरत छात्रों के समर्थन में अपनी भागीदारी दर्ज कराएगा।

सपा नेताओं के अनुसार, इस जत्थे का नेतृत्व महानगर उपाध्यक्ष मधुकर अरोड़ा, युवजन सभा जिला उपाध्यक्ष सनी छाबड़ा, अल्पसंख्यक सभा महानगर उपाध्यक्ष गगन जॉली, लोहिया वाहिनी महानगर अध्यक्ष ऋतिक प्रजापति, सपा नेता भरत सिंह और अमित सोलंकी करेंगे। उनके नेतृत्व में बड़ी संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता और युवा दिल्ली पहुंचेंगे। सपा नेताओं का कहना है कि छात्र आंदोलन के समर्थन में शामिल होना युवाओं के अधिकारों की आवाज बुलंद करने का प्रयास है।

उनका दावा है कि "युवाओं का साथ देना सबसे बड़ी देशभक्ति है, क्योंकि युवा ही देश का भविष्य हैं।" पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि छात्र-युवा वर्ग से जुड़े मुद्दों को लेकर समाजवादी पार्टी लगातार आवाज उठाती रही है और आगे भी युवाओं के हितों के लिए संघर्ष जारी रहेगा। दिल्ली में जंतर-मंतर पर होने वाले प्रदर्शन में आगरा से पहुंचने वाला यह जत्था भी अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएगा।

NEET-NTA विवाद पर राज्यसभा सांसद एवं BCCI के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने सरकार को घेरा

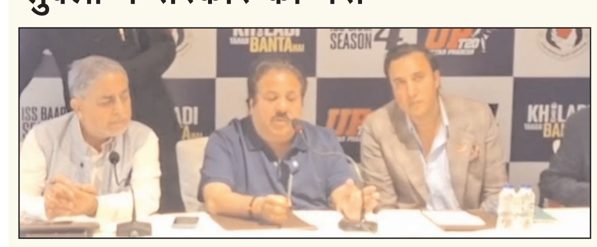

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। राज्यसभा सांसद एवं BCCI के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने आगरा में NEET-NTA विवाद को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि छात्रों का आंदोलन अब पूरे देश में फैल चुका है और युवाओं में भारी आक्रोश है। राजीव शुक्ला ने कहा कि छात्रों के आंदोलन को देशभर से समर्थन मिल रहा है, लेकिन सरकार केवल संसद में बहस की बात कर रही है। उनका आरोप है कि सरकार छात्रों की मुख्य मांगों पर कोई ठोस निर्णय लेने को तैयार नहीं है। उन्होंने शिक्षा मंत्री को हटाने की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि केवल शिक्षा सचिव बदल देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। शुक्ला ने नई नियुक्तियों में भी भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि इससे शिक्षा व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कमजोर हुआ है। राज्यसभा सांसद ने देश की पूरी परीक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि लगातार सामने आ रहे विवाद गंभीर चिंता का विषय हैं। उन्होंने राम मंदिर, शिक्षा व्यवस्था और परीक्षाओं में भ्रष्टाचार के आरोपों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने का वादा किया गया था, लेकिन भ्रष्टाचार कम होने के बजाय बढ़ता दिखाई दे रहा है। राजीव शुक्ला ने कहा कि विपक्ष की स्पष्ट मांग है कि सरकार पहले जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई करे और उसके बाद संसद में इस मुद्दे पर चर्चा कराए। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य से जुड़े इस मामले में सरकार को जल्द और ठोस कदम उठाने चाहिए।

सीआईएससीई रीजनल बास्केटबॉल टूर्नामेंट का भव्य समापन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। सेंट कॉनरेड इंटर कॉलेज, आगरा-मथुरा बाईपास, खंदारी में आयोजित तीन दिवसीय सीआईएससीई रीजनल बास्केटबॉल टूर्नामेंट का रविवार को शानदार समापन हुआ। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आई 35 टीमों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। तीन दिनों में कुल 57 रोमांचक मुकाबले खेले गए, जिनमें खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि अभिनव सिंह पुंडीर (पूर्व अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी एवं लक्ष्मण पुरस्कार से सम्मानित), डॉ. हरि सिंह (सचिव, आगरा बास्केटबॉल), विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर विपिन कुजूर, मैनेजर फादर ग्रेसियन तथा उप-प्रधानाचार्य फादर मार्शल उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और पुरस्कार प्रदान किए तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व और टीम भावना का सर्वश्रेष्ठ माध्यम हैं।

प्रतियोगिता के प्रमुख परिणाम

अंडर-19 बालक वर्ग - फाइनल में कानपुर ने बेहद रोमांचक मुकाबले में गाज़ियाबाद को 50-48 से हराकर चैंपियनशिप अपने नाम की।

अंडर-19 बालिका वर्ग - मेरठ की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब जीता, जबकि गोरखपुर उपविजेता रहा।

अंडर-17 बालक वर्ग - गाज़ियाबाद ने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 60-55 से जीत दर्ज कर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। अन्य मुकाबलों में मेरठ की टीम ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए 32 अंकों के बड़े अंतर से शानदार जीत दर्ज की। मेजबान आगरा की टीमों ने भी प्रतियोगिता में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। आगरा की अंडर-17 टीम सेमीफाइनल तक पहुंची, जबकि अंडर-19 टीम ने क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर विद्यालय प्रबंधन एवं आयोजन समिति ने सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों, अतिथियों, अभिभावकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। साथ ही भविष्य में भी ऐसे खेल आयोजनों के माध्यम से प्रदेश की उभरती खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

आगरा पुलिस की बड़ी सफलता: हरिद्वार की हर की पौड़ी से सकुशल मिले कमला नगर के लापता दोनों छात्र, दो परिवारों में लौटी खुशियां

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। कमला नगर थाना क्षेत्र से लापता हुए दोनों छात्रों को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हरिद्वार की हर की पौड़ी से सकुशल बरामद कर लिया। कमला नगर पुलिस की मुस्तैदी और लगातार की गई तलाश के चलते दो परिवारों की खुशियां वापस लौट आईं। जानकारी के अनुसार, दोनों छात्र स्कूल की छुट्टी के बाद अचानक लापता हो गए थे। परिजनों की सूचना मिलते ही कमला नगर पुलिस ने तत्काल खोजबीन शुरू की और मामले को गंभीरता से लेते हुए कई टीमों को सक्रिय कर दिया। पुलिस ने शहर के विभिन्न स्थानों के CCTV फुटेज खंगाले, जिनके आधार पर छात्रों की लोकेशन का पता लगाया गया। जांच की कड़ी आगरा कैंट रेलवे स्टेशन से होते हुए दिल्ली के निजामुद्दीन और फिर हरिद्वार तक पहुंची। लगातार ट्रैकिंग के बाद पुलिस ने हरिद्वार की हर की पौड़ी से दोनों छात्रों को सुरक्षित बरामद कर लिया। दोनों छात्रों के सकुशल मिलने के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली और आगरा पुलिस, विशेषकर कमला नगर थाना पुलिस की तत्परता और मेहनत की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। पुलिस ने आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दोनों छात्रों को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। यह कार्रवाई कमला नगर पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया और प्रभावी जांच का उदाहरण मानी जा रही है।

शमशाबाद टाउन रेलवे स्टेशन पर अतिरिक्त लूप लाइन का सफल कमीशनिंग, आगरा मंडल की परिचालन क्षमता में बड़ा इजाफा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

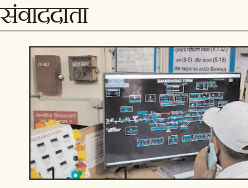

आगरा। उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल ने रेल अवसंरचना को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के मार्गदर्शन में भांडई-इटावा रेलखंड स्थित शमशाबाद टाउन रेलवे स्टेशन पर अतिरिक्त लूप लाइन (थर्ड लूप) का कार्य 25 जुलाई 2026 को सफलतापूर्वक कमीशन कर दिया गया। इस परियोजना के तहत 2 नए सिग्नल स्थापित किए गए, 4 पुराने सिग्नलों का स्थानांतरण, 4 नई टीडब्ल्यूएस प्वाइंट मशीनों की स्थापना तथा 1 नई इंटीग्रेटेड पावर सप्लाई प्रणाली लगाई गई। साथ ही हिताची इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली में आवश्यक संशोधन भी किए गए। इस तकनीकी उन्नयन के बाद स्टेशन पर उपलब्ध रेल रूटों की संख्या 24 से बढ़कर 40 हो गई है। इससे ट्रेनों की क्रॉसिंग और ओवरटेकिंग की सुविधा बेहतर होगी, रेल परिचालन अधिक सुगम बनेगा और समयपालन के साथ-साथ सुरक्षा व्यवस्था में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। इस महत्वपूर्ण कार्य को सफल बनाने में ट्रैफिक, इंजीनियरिंग, विद्युत तथा सिग्नल एवं दूरसंचार विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्कृष्ट समन्वय के साथ कार्य किया। वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक (समन्वय) ने ट्रैफिक ब्लॉक उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाई, जबकि वरिष्ठ मंडल अभियंता/2, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य), मंडल विद्युत अभियंता (टीआरडी) तथा सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग की टीम ने निर्धारित समय सीमा में परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, अतिरिक्त लूप लाइन शुरू होने से आगरा मंडल की परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इसके साथ ही भविष्य में बढ़ते रेल यातायात के बेहतर प्रबंधन, ट्रेनों की समयबद्ध आवाजाही और यात्रियों को अधिक सुगम एवं सुरक्षित रेल सेवा उपलब्ध कराने में भी यह परियोजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

स्वामी मोर्निंग सिटी मल्टीमीडिया प्रा.लि. मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक- सुशील कुमार सिंह (मोबाइल न. 8077588101), पुरराज प्रिंट एंड पैकिंग प्रा. लि., ई - 19 सेक्टर 6 नोएडा , गौतमबुद्धनगर से छपवाकर शॉप न. - 307 , 308 एल्फा - 1 नीलकंठ प्लाजा, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित। (RNI No. UPHIN/2015/60949)
(समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र गौतमबुद्धनगर होगा) प्रकाशिक सामग्री या विज्ञापन में संपादक / प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कार्यवाही या पूछताछ प्रकाशन तिथि से तीन माह के अंदर की सकती है। ई-मेल-morningcityinput@gmail.com।